राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,22 जुन2020 वर्ष–2, अंक –109 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जिससे आम जनता घर बैठे ही कोर्ट की कार्रवाई को देख पाएगी। अब आसानी से पता चल पाएगा कि कोर्ट में किस केस पर सुनवाई चल रही है। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक अब से दिल्ली हाई कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली सुनवाई को आम जनता लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए देख सकती है। हाईकोर्ट ने इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि कोरोना संकट के मौजूदा समय में कोर्ट की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो रही है। ऐसे में वो मामले जिनकी सुनवाई पहले खुली अदालत में होती थी, जिनमें आम जनता सुनवाई देखने के लिए मौजूद रह सकती थी, उन सभी मामलों की सुनवाई अब वीडियो लिंक के जरिए लोग देख और सुन सकेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि कानून के तहत खुली अदालत में होने वाली सुनवाई की ओपन कोर्ट प्रोसीडिंग्स होती है, जिसे आम जनता को देखने का पूरा

अधिकार होता है। लेकिन मौजूदा समय में कोरोना संकट काल के दौरान कोर्ट की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही है, तो ऐसे में आम जनता को ओपन कोर्ट प्रोसीडिंग्स देखने से वंचित नहीं किया जा सकता है। हाई कोर्ट ने कहा कि ऐसे में अगर आम जनता चाहती है तो वह सुनवाई को देख सकती है, बशर्ते वह मामला संवेदनशील या कानून के तहत इन कैमरा यानी बंद कमरे में सुनवाई वाला ना हो।

कोर्ट के सर्कुलर में कहा गया है कि जो कोई भी हाईकोर्ट की सुनवाई देखना चाहते हैं, उसे सुनवाई से एक दिन पहले रात नौ बजे तक कोर्ट मास्टर या कोर्ट स्टाफ को जानकारी देनी होगी और उसके बाद उनको लिंक मिलेगा जिसके जरिए सुनवाई देख सकते हैं। अगर किसी कारण से एक दिन पहले रात में 9 बजे तक कोर्ट मास्टर या कोर्ट स्टाफ से बात नहीं हो पाती है तो सुनवाई वाले दिन सुबह 10 बजे से पहले कोर्ट मास्टर या कोर्ट स्टाफ से बात करके लिंक लिया जा सकता है,

जिसके जरिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई देखी और सुनी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना संकट के बीच 1 करोड़ से ज्यादा लोगों ने सूर्य नमस्कार कर मनाया योग दिवस

नेशनल डेस्क। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर देश की दिग्गज राजनीतिक हस्तियों, बॉलीवुड अभिनेताओं तथा एक करोड़ से अधिक लोगों ने सूर्य नमस्कार करके कोरोना के खिलाफ जारी जंग में योग के महत्व को रेखांकित किया। कोरोना वायरस के कारण इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किसी सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं हुआ है। इस बार लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपने घरों या नजदीकी पार्क में योगासन किया। रामनाथ कोविंद, उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन, केंद्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने अपने-अपने आवास और पार्क में योगाभ्यास किया और तन-मन को स्वस्थ रखने का संदेश दिया।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को पुलिस ने थमाया समन

कटिहार (बिहार)। बिहार पुलिस की एक टीम पिछले साल चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के एक मामले में कटिहार की अदालत द्वारा जारी समन कांग्रेस विधायक नवजोत सिंह सिद्धू को सौंपने के लिए पंजाब में है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। कटिहार के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने कहा कि दो सदस्यीय टीम पिछले कुछ दिन से अमृतसर में सिद्धू के घर के बाहर बैठी है, लेकिन न तो सिद्धू वहां मौजूद हैं और न ही उनके कहने पर किसी और ने समन ग्रहण किया है । पिछले साल अप्रैल में लोकसभा चुनाव के दौरान कटिहार से कांग्रेस उम्मीदवार तारिक अनवर के समर्थन में आयोजित रैली में विवादित बयान देने के आरोप में चुनाव आयोग ने सिद्धू के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कर उनके चुनाव प्रचार करने पर 72 घंटे की पाबंदी लगा दी थी।

दिल्ली जेल में कोरोना से पहली मौत, उम्रकैद की सजा काट रहा था कैदी

नई दिल्ली। दिल्ली की मंडोली जेल में 62 वर्षीय एक कैदी की कोरोना वायरस से मौत हो गयी है जो राष्ट्रीय राजधानी की जेल में इस महामारी से पहली मौत है। उसके बाद अधिकारियों ने बैरक में इस व्यक्ति के साथ रह रहे 28 अन्य कैदियों की जांच कराने का फैसला किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि कंवर सिंह (62) की 15 जून को मृत्यु हो गई और शनिवार को उसकी कोविड-19 जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई। अधिकारियों के अनुसार सिंह 2016 के हत्या के एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा था। वह मंडोली की केंद्रीय जेल में था और उसमें बीमारी के लक्षण सामने नहीं आए थे। अधिकारियों के अनुसार 15 जून को उसके बैरक के कुछ लोगों ने उसे जगाने की कोशिश की लेकिन उसके शरीर में कोई हरकत नजर नहीं आई। तब जेलकर्मी उसे डॉक्टर के पास ले गये जिसने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोविड-19 संकट के दौर में योग शरीर को फिट रखने में मददगार: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण जब पूरी दुनिया स्वास्थ्य संकट से गुजर रही है, ऐसे में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने छठे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को योग का अभ्यास करने का सुझाव दिया और कहा कि यह शरीर को फिट रखने में और मन को शांत रखने मदद कर सकता है। योग के महत्व का उल्लेख करते हुए कोविंद ने कहा कि प्राचीन योग विज्ञान मानवता को भारत का अमूल्य उपहार है।राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, मुझे प्रसन्नता है कि अधिकाधिक लोग योग को जीवन में अपना रहे हैं। संघर्ष व तनाव के बीच विशेष रूप से कोविड-19 के इस दौर में, शरीर को स्वस्थ व मन को शांत रखने में योगाभ्यास सहायक सिद्ध होगा। साल 2015 से 21 जून को हर साल योग का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। योग की उत्पत्ति भारत में हुई, यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक व्यायाम है।

मोदी ने कोरोनावायरस को हराने में योग को बताया अहम

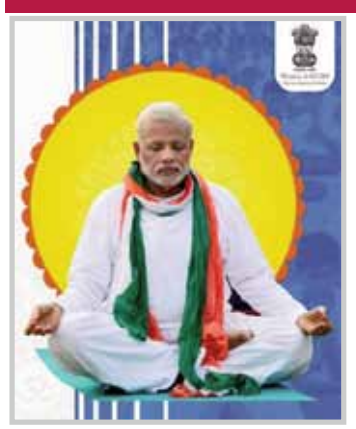

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए योग को अहम बताया। उन्होंने कहा कि घातक वायरस से संक्रमित दुनिया भर में कई लोग योग से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वे मेडिटेशन के माध्यम से बीमारी से लड़ने में मजबूती हासिल कर रहे हैं। मोदी ने कहा, कोरोना महामारी के कारण दुनिया ने योग को अधिक गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। यदि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत है, तो इस बीमारी को हराना बहुत आसान हो जाता है। योग रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ऐसे कई आसन हैं जो हमारे शरीर की ताकत को बढ़ा सकते हैं, हमारे मेटाबॉलिज्म को अधिक शक्तिशाली बना सकते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि घातक संक्रमण विशेष रूप से श्वसन प्रणाली पर हमला करता है। लोग प्राणायाम के माध्यम से श्वसन प्रणाली को मजबूत बना सकते हैं। मोदी ने रविवार को कहा, प्राणायाम हमारे श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने में काफी मदद करता है। लोगों को योग करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, कोई भी योग को अपना सकता है। आपको बस कुछ समय और खाली जगह चाहिए। भारत में रविवार की सुबह तक कोविड-19 के कुल 1 लाख 69 हजार से अधिक सक्रिय मामले हैं, जबकि 2 लाख 13 हजार से अधिक ठीक, डिस्चार्ज हो गए हैं। हालांकि, भारत में इससे 12,948 मौतें हो चुकी हैं। महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य रहा है, जबकि दिल्ली में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है।

राजनाथ ने रूस की यात्रा से पहले एलएसी मुद्दे पर सीडीएस व सैन्य प्रमुखों की बैठक ली

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद के बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ लद्दाख में हालात पर उच्च स्तरीय बैठक की। पिछले सप्ताह दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने के बाद व्याप्त तनाव के बीच यह बैठक की गई। अपने निवास पर आधे घंटे की चर्चा में सिंह ने लद्दाख में चल रही स्थिति के मद्देनजर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हाल में पनपे हालातों के बाद किसी भी अभूतपूर्व कार्रवाई करने के लिए सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों को पूरी तरह से तैयार रहने को कहा है। यह पता चला है कि सेना को रक्षा मंत्री ने गश्त ड्यूटी के दौरान बहुत सतर्क रहने और चीन के साथ सीमा पर कड़ी चौकसी बढ़ाने की सलाह दी है। बैठक के दौरान सेनाओं को जमीन से लेकर समुद्री मार्ग पर भी उचित निगरानी रखने के लिए कहा गया है। मंत्री ने कुछ महत्वपूर्ण रक्षा सौदों पर भी चर्चा की, जिनके रूस की यात्रा के दौरान परवान चढ़ने की उम्मीद है। सिंह की बैठक 24 जून को रूस की उनकी यात्रा से पहले हुई, जहां वे द्वितीय विश्व युद्ध में रूस की जीत की 75वीं वर्षगांठ पर मास्को में आयोजित विजय दिवस सैन्य परेड का हिस्सा बनेंगे। तीनों सेनाओं की 75 सदस्यीय भारतीय सैन्य टुकड़ी पहले ही रूसी टुकड़ी और अन्य आमंत्रित सैन्य टुकड़ियों के साथ विजय परेड में भाग लेने के लिए मास्को पहुंच चुकी है। विजय दिवस परेड में हिस्सा लेने वाली टुकड़ी का नेतृत्व वीर सिख लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के एक मेजर रैंक के अधिकारी द्वारा किया जाएगा। यह रेजिमेंट द्वितीय विश्व युद्ध में वीरता के साथ लड़ी थी और इसे वीरता पुरस्कारों में चार युद्ध सम्मान और दो सैन्य क्रॉस अर्जित करने का गौरव प्राप्त है।

दिल्ली में 5 आतंकियों के घुसने की खबर, सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया हाई अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में 4-5 आतंकियों के घुसने की खबर है। कई आतंकी जम्मू-कश्मीर के रास्ते दिल्ली में कई घुसने की फिराक में हैं। सुरक्षा एसेंजियों ने दिल्ली में हाईअलर्ट जारी कर दिया है। बता दें कि लद्दाख में चीन के साथ जारी विवाद के बीच पाकिस्तान भारत में आतंकी हमले की साजिश रच रहा है। हाल ही में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल बाजवा को पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई के कैंप में देखा गया था। बता दें कि जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने शनिवार को एक अत्याधुनिक राइफल और सात ग्रेनेड से लैस एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू क्षेत्र में यह पहली ऐसी घटना है, जब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हथियारों और विस्फोटकों से लैस ड्रोन को मार गिराया है। इस तरह, ड्रोन के जरिए केंद्र शासित प्रदेश में हथियारों की तस्करी करने की पाकिस्तान की कोशिश नाकाम कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि चीन निर्मित इस ड्रोन का वजन 17.5 किग्रा था। अमेरिका निर्मित एक अत्याधुनिक एम 4 अर्द्ध-स्वचालित कारबाइन गांव में सुबह करीब पांच बज कर 10 मिनट पर आसमान में मंडराते देखा।

लद्दाख विवाद मामले पर राहुत गांधी का पीएम पर तंज, कहा- नरेंद्र मोदी वास्तव में 'सरेंडर मोदी' हैं

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भारतीय भू-भाग चीन को सौंपे जाने का आरोप लगाने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को उन पर तंज कसते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी वास्तव में ''सरेंडर मोदी'' हैं। राहुल ने एक ट्वीट में यह कहा, जिसमें उन्होंने एक विदेशी प्रकाशन के आलेख को भी संलग्न किया है। उसका शीर्षक है ''भारत की चीन के प्रति तुष्टीकरण की नीति का खुलासा हुआ।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''नरेंद्र मोदी वास्तव में सरेंडर मोदी हैं।'' इससे पहले, लद्दाख मामले पर सरकार से लगातार सवाल कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को यह आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री ने चीनी आक्रामकता के आगे भारतीय भू-भाग चीन को सौंप दिया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख मामले पर शुक्रवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि न कोई हमारे क्षेत्र में घुसा और न ही किसी ने हमारी चौकी पर कब्जा किया है। इससे पहले, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के सर्वदलीय बैठक में दिए गए बयान को लेकर ट्वीट किया था, ''प्रधानमंत्री ने चीनी आक्रामकता के आगे भारतीय भू-भाग चीन को सौंप दिया है। अगर भूमि चीन की थी= तो हमारे सैनिक क्यों मारे गए? वे कहां मारे गए। भारत-चीन सीमा पर स्थिति के बारे में चर्चा करने के लिए शुक्रवार को हुई सर्वदलीय बैठक पर सरकार ने एक बयान में कहा, ''शुरू में ही प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया था कि न तो वहां हमारी सीमा में कोई घुसा हुआ है, न ही हमारी कोई चौकी किसी दूसरे के कब्जे में है।''

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को कहा कि सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणियों की ''शरारतपूर्ण व्याख्या'' करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पीएमओ ने स्पष्ट किया कि एलएसी के संबंध में मोदी की टिप्पणियों का आशय हमारे सशस्त्र बलों की वीरता के परिणामस्वरूप उत्पन्न स्थिति से था, जिन्होंने गलवान घाटी में अतिक्रमण की चीनी सैनिकों की कोशिश को विफल कर दिया। पूर्वी लद्दाख के अनेक क्षेत्रों में भारत और चीन की सीमाओं के बीच करीब छह हफ्ते से गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून की रात चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प में एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैन्य कर्मी शहीद हो गए थे, लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून की रात चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प में एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैन्य कर्मी शहीद हो गए थे, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया।

दिल्ली में कोविड-19 महामारी के प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया गया: हर्षवर्धन

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में कोविड-19 महामारी के प्रबंधन को स्वास्थ्य सर्वेक्षणों से लेकर जांच और निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों के इलाज के लिए शुल्क तय करके सुव्यवस्थित किया गया है। उनकी टिप्पणी दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा कोरोना वायरस रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल के बिस्तर की दरों को तय करने के लिए एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को मंजूरी देने के बाद आई है। सभी अस्पतालों में पृथक वार्ड में बेड, वेंटिलेटर के बिना आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ आईसीयू का शुल्क क्रमशः 8,000-10,000 रुपये, 13,000-15,000 रुपये और 15,000-18,000 रुपये तय किया गया है।

केंद्रीय मंत्री गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में जांच की संख्या बढ़ाई गई है। केंद्र सरकार ने तीव्र जांच के लिए दक्षिण कोरिया से छह लाख जांच किट खरीदे हैं, जिनमें से 50,000 दिल्ली को उपलब्ध कराए गए हैं और प्रतिदिन दिल्ली में 15,000 जांच करने का लक्ष्य रखा गया है। हर्षवर्धन ने ट्विटर पर कहा, ''स्वास्थ्य सर्वेक्षणों से लेकर मरीज की जांच के शुल्क और निजी अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज के शुल्क निर्धारित करके दिल्ली में कोविड-19 प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया गया है।

लॉकडाउन के बावजूद ब्रिटेन में चौथे सप्ताह लोगों ने नस्लवाद के खिलाफ किए प्रदर्शन

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी के बावजूद चौथे सप्ताह भी लोगों ने नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन किए।

'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान से प्रेरित ये प्रदर्शन लंदन, मैनचेस्टर, एडिनबर्ग और ग्लास्गो समेत अन्य शहरों में हुए। लंदन के हायडे पार्क में हजारों लोग एकत्र हुए और त्राफलगर स्क्वेयर की ओर शांतिपूर्ण मार्च निकाला।

एक छोटे समूह ने अमेरिकी दूतावास के समीप दक्षिण लंदन से मार्च निकाला।

प्रदर्शन के एक आयोजक इमार्न आयटन ने हायडे पार्क में एकत्रित भीड़ से कहा हम सभी आज यहां एकत्रित हैं,

क्योंकि हम जानते हैं कि काले लोगों की जिंदगियां भी मायने रखती हैं।

हम सभी आज यहां इसलिए हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि काले लोग सुंदर होते हैं

और हम सब आज यहां इसलिए भी इकट्ठा हुए हैं,

क्योंकि हम जानते हैं कि यह संस्थागत नस्लवाद को खत्म करने का वक्त है।

गौरतलब है कि अमेरिका में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को पुलिस हिरासत में मौत के बाद दुनियाभर में नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ग्लास्गो के जॉर्ज स्क्वेयर में 'नस्लवाद को न कहो' रैली में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद ब्रिटेन में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किए हैं,

जिनमें से ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं।

देश के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने घोषणा की कि वह एक आयोग का गठन कर रहे हैं

जो यह देखेगा कि नस्ली अन्याय को खत्म करने के लिए और क्या किया जा सकता है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गैर जिम्मेदाराना बयान

लद्दाख में चीन की धोखेबाजी को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की ओर से दिए गए बयान की जैसी मनमानी व्याख्या की गई उसका ही यह परिणाम रहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा। कायदे से इसके बाद संशय और सवालों का सिलसिला खत्म हो जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता दिखता नहीं। न केवल राहुल गांधी यह प्रचारित करने में जुटे हुए हैं कि प्रधानमंत्री ने चीन के सामने घुटने टेक दिए, बल्कि कई स्वयंभू रक्षा-सुरक्षा विशेषज्ञ भी यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके पास इस बारे में ज्यादा जानकारी है कि गलवन घाटी में क्या हुआ था और अब वहां के हालात क्या हैं? क्या इससे बुरी बात और कोई हो सकती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा करने के बजाय अपने हिसाब से ऐसे निष्कर्ष निकाले जाएं जो देश की जनता के बीच भ्रम पैदा करें? दुर्भाग्य से कई विपक्षी नेता और खासकर राहुल गांधी संकीर्ण राजनीतिक कारणों से यही कर रहे हैं। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि वह ऐसा जानबूझकर कर रहे हैं। उनका यह व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण तो है, लेकिन उस पर हैरानी इसलिए नहीं, क्योंकि वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। इसे विस्मृत नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी ने न केवल सर्जिकल स्ट्राइक पर अपनी खीझ निकाली थी, बल्कि एयर स्ट्राइक के भी सुबूत मांगे थे। अब वह इस पर यकीन करने को तैयार नहीं कि चीनी सेना की ओर से गलवन घाटी में अतिक्रमण करने की जो कोशिश की गई उसे हमारे जवानों ने नाकाम कर दिया और अब उसके सैनिक भारतीय सीमा में नहीं हैं। राहुल अपने गैर जिम्मेदाराना बयानों से केवल लोगों के मन में अविश्वास के बीज ही नहीं बो रहे, बल्कि एक तरह से वह भाषा बोल रहे हैं जो चीन बोल रहा है। बेहतर हो कोई उन्हें यह बताए-समझाए कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा कोई मसला सामने आता है तब उनका आचरण भारतीय हितों के अनुकूल क्यों नहीं दिखता? हालांकि वह कुछ सीखने के लिए तैयार नहीं, लेकिन उचित यह होगा कि वह इस पर गौर करें कि सर्वदलीय बैठक में शरद पवार, मायावती, ममता बनर्जी आदि ने किस तरह परिपक्वता का परिचय दिया। शरद पवार ने तो यह कहकर एक तरह से उन्हें आईना ही दिखा दिया कि गलवन में हमारे जवान हथियारों से लैस रहे हों या नहीं, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधि का पालन करके सही किया। राहुल गांधी को यह बुनियादी बात पता होनी चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय संधियां राजनीतिक दल नहीं, देश करते हैं और दल से पहले देश के हित की चिंता की जाती है।

शरद पवार ने तो यह कहकर एक तरह से उन्हें आईना ही दिखा दिया कि गलवन में हमारे जवान हथियारों से लैस रहे हों या नहीं, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधि का पालन करके सही किया। राहुल गांधी को यह बुनियादी बात पता होनी चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय संधियां राजनीतिक दल नहीं, देश करते हैं और दल से पहले देश के हित की चिंता की जाती है।

गलवान संघर्ष और कुछ यक्ष प्रश्न

शशि शेखर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत में साफ कर दिया कि चीन के कब्जे में हमारी कोई चौकी, भूमि अथवा जवान नहीं है। विपक्ष ने भी इस वर्चुअल बातचीत में उनसे तमाम सवाल पूछे। उन्हें क्या उत्तर मिले, वे उनसे आश्वस्त हुए या नहीं, फौरी तौर पर इसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। आने वाले दिनों में बहुत कुछ छन-छनकर सामने आने वाला है। वह कितना सत्य अथवा अर्द्धसत्य होगा, इसकी तसल्ली आम आदमी को भला कौन देगा? वैसे आम आदमी की तसल्ली की परवाह किसे है? युद्ध राजनेताओं के इशारे पर लड़े जाते हैं और उनका रचा हुआ मायाजाल ही राजकीय अभिव्यक्ति की शक्ल में सामने आता है। अपनी बात समझाने के लिए मैं आपको इतिहास के सीलन भरे महलों की सैर पर ले चलता हूं। आज तक तय नहीं हो सका है कि 1962 में चीन ने हम पर हमला किया था या जैसा कि सुब्रमण्यम स्वामी का दावा है कि हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री ने हकीकत को दरकिनार कर हुक्म दे डाला था? सच जो भी हो, पर भारतीय सत्ता-सदन का आधिकारिक बयान यही है कि चीन ने हमारी पीठ में खंजर घोंपा और उस युद्ध में हमारे जवान वीरता से लड़ते हुए परास्त हुए थे। यह पराजय भी ऐसी-वैसी न थी। चीन ने अक्साई चिन सहित हजारों वर्ग किलोमीटर भारत-भूमि पर कब्जा जमा लिया था। हमारी संसद ने एक स्वर से कसम खाई थी कि हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक कि इस जमीन को वापस न ले लें। नई पीढ़ी को शायद मालूम न हो कि 38 हजार वर्ग किलोमीटर जमीन आज तक चीन के कब्जे में है। इस युद्ध के पांच साल बाद 1967 और फिर 1975 में हुई खूनी झड़पों ने पूरे युद्ध की शक्ल भले ही अख्तियार न की हो, पर घावों पर जमी पपड़ियां जरूर उघड़ती रहीं। यही वजह है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जनता पार्टी की हुकूमत में बहैसियत विदेश मंत्री बीजिंग गए थे, तब विपक्षी कांग्रेस और तमाम अखबारों ने वह कसम याद दिलाई थी। हालांकि, तब तक सत्ता प्रतिष्ठान में यह धारणा पनपने लगी थी कि चीन से संबंध सामान्य किए जाने चाहिए। इसीलिए इंदिरा गांधी ने 1981 में बीजिंग से दोस्ती के कदम बढ़ाए, जिसे राजीव गांधी ने गति प्रदान की। इसके पश्चात भी नरसिंह राव हों या अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह हों अथवा मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सब इस महादेश से मित्रता के गुण गाते नजर आए। समय के साथ संसद की कसम हो या पराजय के जख्म, धूमिल पड़ते चले गए। पुरानी कहावत है कि वक्त हर घाव को भर देता है, पर कूटनीति किसी एक मुहावरे के आधार पर नहीं तय की जा सकती। ईसा के जन्मने से पहले हमारी ही धरती पर जन्मे चाणक्य ने कहा था कि पड़ोसी से बड़ा शत्रु कोई नहीं हो सकता। इस भेड़चाल में जॉर्ज फर्नांडिस जैसे दीगर नेता याद आते हैं। अटल बिहारी सरकार में रक्षा मंत्री का ओहदा संभालते हुए भी उन्होंने बयान दे दिया था कि चीन दुश्मन नंबर एक है। इस बयान से मानो आसमान ही फट पड़ा था। उन पर दबाव पड़ा, तो वह भी चुप्पी लगा गए, पर सैन्य अधिकारियों से वह हमेशा अनौपचारिक तौर पर इस तथ्य की चर्चा करते रहे। पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने भी भारत की तिब्बत नीति पर सवाल उठाए थे। गलवान घाटी हादसे के बाद जॉर्ज इस टीस के साथ कई बार याद आए कि उनकी बात को क्यों नजरअंदाज किया गया? क्यों हमारा सत्ता-सदन अपेक्षाकृत एक कमजोर मुल्क पाकिस्तान को दुश्मन नंबर एक बताता रहा? हमने चीन से लगने वाली सीमा पर पुख्ता इंतजामात नहीं किए, बस 'बॉर्डर मैनेज' करते रहे। उधर चीन तैयारी करता रहा। उसने वास्तविक नियंत्रण रेखा के काफी नजदीक तक सड़कें बनाईं, रेल पटरियां बिछाईं और फौज के लिए सभी जरूरी सरंजाम जुटाए। आज हम इसी का दुष्परिणाम भोग रहे हैं। साल 1999 में जब पाकिस्तान के सैनिक कारगिल में घुस आए, तब भी तमाम सवाल खड़े हुए थे, पर गलवान घाटी की शहादतें गवाह हैं कि उसके बाद भी माकूल इंतजामात नहीं किए गए। इस लहतलाली के दोषी वे भी हैं, जो चीन समस्या का दोष नेहरू के माथे मढ़ मुक्ति पा लेना चाहते हैं। जॉर्ज फर्नांडिस और मुलायम सिंह कांग्रेस काबीना में मंत्री नहीं थे। खुद कांग्रेस भी महज आरोप लगाकर मुक्त नहीं हो सकती। सबसे लंबी हुकूमत का उसका अतीत जवाबदेही तय करता है, पर करें तो क्या करें? हमारी राजनीति हमेशा शतरंज के घोड़े की तरह ढाई घर चलने की आदी रही है। कारगिल के बाद के बीस साल इसकी मुनादी करते हैं। इस दौरान दस साल एनडीए ने तो दस साल कांग्रेस ने हुकूमत की। ध्यान दें। भारत ने आधिकारिक तौर पर अब तक चार जंगें लड़ीं। हरेक की कहानियां हैं, जो जनता के अनुत्तरित सवालों की अनदेखी कर गढ़ी गईं और राजकोषों के दम पर आती-जाती पीढ़ियों के मन में गहरे तक रोपी गईं। सिर्फ भारत ही नहीं, समूची दुनिया की हुकूमतें यही करती आई हैं। इसलिए मुझे मौजूदा निजाम से सियासी सवालों के जवाब से कहीं ज्यादा उन कारणों के निवारण की दरकार है, जिनकी वजह से चीन या पाकिस्तान यह हिमाकत कर पाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस समय विपक्ष के नेताओं को विश्वास में लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी वक्त मैं कारगिल युद्ध के समय सेनाध्यक्ष रहे जनरल वीपी मलिक से वेब-वार्ता कर रहा था। उनके कुछ शब्दों को यहां दोहरा रहा हूं, क्योंकि वे जन-अभिव्यक्ति को सच्चे तौर पर बुलंद करते हैं- 'राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा होता है।

यह बड़े दुख की बात है कि हमारी जो पॉलिटिकल पार्टियां हैं, वे सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर एक-दूसरे के ऊपर उंगली उठाती हैं। आपको सवाल उठाने हैं, तो जरूर उठाइए, वह आपका हक है, लेकिन पब्लिकली तू-तू, मैं-मैं करने की बजाय मीटिंग में इस पर चर्चा करें, तो बहुत अच्छा रहेगा।'

आज के ट्वीट

मेरा भाई

'ऊँच-नीच जात-पात के आधार पर सोचना भी पाप है। संघ के स्वयंसेवकों के मन में ऐसे घृणित और समाज विघातक विचारों को कभी स्थान नहीं मिलना चाहिए। हिन्दुस्थान के प्रति भक्ति रखने वाला प्रत्येक हिन्दू मेरा भाई है - यही दृढ़ भावना प्रत्येक स्वयंसेवक की होनी चाहिए।' -डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार -- आरएसएस

ज्ञान गंगा

जग्गी वासुदेव

मन को बांधना

अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जायेंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज़ के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। यह मन का एक जाल है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो। सारा भ्रम बस यही है। मन ही इसका आधार है। अगर आप मन से परे चले जाते हैं तो एक ही झटके में हर चीज़ के पार चले जाते हैं। आध्यात्मिक विज्ञान के सभी प्रयास बस इसीलिए हैं कि मन से परे कैसे जाएं? मन की सीमाओं से बाहर जा कर जीवन को कैसे देखें? बहुत से लोगों ने योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। लोग कहते हैं-'अगर आप ब्रह्मांड के साथ एक हो जाते हैं, तो ये योग है। खुद से परे चले जाते हैं तो योग है। भौतिकता के नियमों से प्रभावित नहीं हैं तो योग है।' ये सब बातें ठीक हैं। अद्भुत परिभाषाएं हैं, इनमें कुछ भी गलत नहीं है, मगर अपने अनुभव की दृष्टि से आप इनसे संबंध नहीं बना पाते। किसी ने कहा,'अगर आप ईश्वर के साथ एक हो जाते हैं तो आप योग में हैं। आप नहीं जानते कि ईश्वर कहां हैं तो आप एक कैसे हो सकते हैं? पर पतंजलि ने ऐसा कहा-'मन के सभी बदलावों से ऊपर उठना, जब आप मन को समाप्त कर देते हैं, जब आप अपने मन का एक भाग बनना बंद कर देते हैं, तो ये योग है।' इस दुनिया के सभी प्रभाव आप में सिर्फ मन के माध्यम से ही आ रहे हैं। अगर आप, अपनी पूर्ण जागरूकता में, अपने मन के प्रभावों से ऊपर उठते हैं तो आप स्वाभाविक रूप से हर चीज़ के साथ एक हो जाते हैं। आपका और मेरा अलग-अलग होना, समय-स्थान की सारी भिन्नताएं भी, सिर्फ मन के कारण होती हैं। ये मन का बंधन है। अगर आप मन से परे हो जाते हैं तो समय-स्थान से भी परे हो जाएंगे। अगर आप मन के सभी बदलावों और अभिव्यक्तियों से ऊपर उठते हैं तो आप मन के साथ खेल सकते हैं। अपने मन का उपयोग जबरदस्त तरीके से कर सकते हैं पर अगर आप मन के अंदर हैं तो आप कभी भी मन की प्रकृति को नहीं समझ पायेंगे।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

मानवीय मूल्य अपनाएँ

- डॉ. दीपक आचार्य

हर इंसान दूसरे इंसानों, समुदायों और देश के लिए काम आने के लिए बना है। इंसान-इंसान में भेदभाव करना हमारी सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का अपमान है और जो ऐसा करता है वह अधम, हीन और पापी होने के साथ ही भगवान के घर का सबसे बड़ा गुनहगार है जिसे विधाता भी कभी माफ नहीं करता। जिस इंसान को भगवान ने बनाया है वह चाहे पुरुष हो या स्त्री अथवा बीच का कोई, सभी का सम्मानपूर्ण वजूद है और इसे कोई नकार नहीं सकता। इस मामले में हम सारे के सारे लोग निर्माता-निर्देशक और पालनहार ईश्वर की वह अनुपम, अद्भुत एवं अद्वितीय कृतियाँ हैं जो संसार के विराट रंगमंच पर अपने-अपने किरदार निभाती हैं और समय आने पर लौट जाती हैं। यही क्रम आदिकाल से चला आ रहा है और यों ही चलता रहेगा। दुनिया के रंगमंच पर आने वाले कलाकारों में किसी प्रकार का कोई भेद नहीं होता। हर कलाकार और रंगकर्मी का अपना-अपना किरदार होता है जिसके बिना अभिनय की कोई सी श्रृंखला पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकती। इंसान और ईश्वर के बीच सीधा रिश्ता है। यदि इंसान के भीतर दैवीय गुण और मौलिक इंसानियत विद्यमान है तब वह ईश्वर के अत्यन्त करीब रहता है। पूर्ण शुचिता और मौलिकता होने की स्थिति में इंसान और ईश्वर एक-दूसरे के पूरक तथ पर्याय भी होते हैं लेकिन ऐसा होना आज के समय में दुर्लभ है, असंभव नहीं। यदि हम इंसान के वजूद को स्वीकारना, उसे सम्मान देना, उसके स्वाभिमान की रक्षा करना सीख जाएं तो हम इंसानों के भीतर से दैवत्व की झलक पा सकते हैं लेकिन ऐसा करने के लिए हमें अपने कुटिल स्वार्थ, मलीनताओं और संकीर्णताओं को छोड़ना जरूरी है। यह उदारता उन्हीं लोगों में देखी जा सकती है जो लोग संस्कारी, शुद्ध बीज वाले, मौलिकताओं से परिपूर्ण व भगवदीय वृत्ति के होते हैं और सभी प्रकार की अपेक्षाओं-ऐषणाओं से मुक्त होते हैं। इन्हीं गुणों वाले लोग ही इंसान को अहमियत देते हैं। इनके लिए जाति-पाँति, ऊँच-नीच, गरीब-अमीर, स्त्री-पुरुष आदि को कोई भेद नहीं होता, ये इन सबसे परे और ऊपर हुआ करते हैं। यही कारण है कि इस प्रकार के लोग सर्वस्पर्शी, सहिष्णु और सहृदय होते हैं और सभी से सम्मान पाते हैं। अच्छे, सच्चे और श्रेष्ठ इंसानों का व्यवहार इसी प्रकार का होता है। लेकिन यह तभी तक संभव है जब तक हमारे भीतर इंसानियत हो। जो लोग इस तरह का व्यवहार करते हैं वे धन्य हैं जिनकी वजह से मानवता जिन्दा है, मानवीय मूल्यों का वजूद बना हुआ है और असल में देखा जाए तो धरती इन्हीं मानवतावादी लोगों की वजह से टिकी हुई है। मूल समस्या तो उन लोगों की है जो इंसान-इंसान में भेद करते हैं, अपने व्यवहार में भेदभाव और पक्षपात करते हैं, हर विषय, विचार या काम में अपना-पराया देखते हैं। ये ही वे लोग हैं जो अपना-पराया करते हैं। कभी जातिवाद के नाम पर, कभी क्षेत्र और भाषा-बोली के नाम पर। परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और कुटुम्ब के नाम पर। और बहुधा अपने घृणित स्वार्थों, नीचता भरे कामों, अपने अपराधों को ढंकने, बिना मेहनत की कमाई को पाने, अपने नाजायज काम निकलवाने या औरों से कराने, अपनी दागदार छवि को बेदाग मनवाने, प्रतिभाहीनता के बावजूद प्रतिष्ठा पाने और पिछले दरवाजों से होने वाले ढेरों कामों को कराने के लिए एकमात्र यही पैमाना देखते हैं कौन अपना है और कौन पराया है। अधिकांश लोगों की मनोवृत्ति यही होती जा रही है। चाहे वे किसी भी स्थान पर बिराजमान हों, समुदाय को लाभान्वित करने की स्थिति में हों, किसी ओहदे पर हों अथवा उन स्थानों पर हो जहाँ रहकर असंख्य लोगों की सेवा कर सकते हों अथवा परोपकार के कई अध्याय रचने वाले। बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं जो नीति और धर्म का पालन करते हुए सभी के प्रति समत्व का भाव रखा करते हैं अन्यथा आजकल सब तरफ गड़बड़झाला होता जा रहा है। हममें से अधिकांश लोग इसी मनःस्थिति में जी रहे हैं कि जो किसी न किसी कारण से अपना रिश्तेदार, संबंधी और स्वार्थपूर्ति अथवा गोरखधंधों में सहायक हो, बस वही अपना है बाकी सारे पराये। इससे भी अधिक विचित्र स्थिति अब यह होती जा रही है कि हमारे लिए घर-परिवार, रिश्ते-नातेदार और समाजजन या क्षेत्र के लोग दूसरे नम्बर पर आ गये हैं। पहले नम्बर पर पैसा हम सभी का सबसे निकटतम और आत्मीय सगा हो गया है, जहाँ पैसा, जमीन-जायदाद हो, उससे बढ़कर दुनिया में हम किसी को कुछ नहीं मानते। हमारा जहां स्वार्थ सधता हो, जो हमारे स्वार्थ पूरे करने में सहयोगी है, जो हमारे अपराधों पर परदा डाल सकने और अभयदान प्रदान करने में समर्थ है, जो हमें स्वेच्छाचारी बनाए रखते हुए मनमानी करने की खुली छूट देता रहता है, बस वही हमारा अपना है, बाकी सारे पराये। इंसानी प्रदूषण इतना अधिक बढ़ता जा रहा है कि अब आदमी बिना स्वार्थ के न मुंह खोलता है, न अभिवादन और आदर करता है, न हिलता-डुलता है, यदि कुछ मिलने की उम्मीद न हो। इस मामले में आदमी या तो व्यापारी हो गया है या खुद छोटी-मोटी दुकान, जहाँ हर गतिविधि मुनाफा चाहती है और अपने लिए सब कुछ जमा करने की स्वतंत्रता, चाहे दूसरों का कितना कुछ छीन जाए, लूट जाए। बहुत सारे लोग हम देखते हैं जो बात भी तभी करते हैं कि जब सामने वाला कुछ देने लायक हो, कुछ काम आने लायक हो या कि भविष्य में किसी न किसी उम्मीद को पूरी करने की क्षमता रखने वाला हो। ऐसा न हो तो हम दूसरों की उपेक्षा करते हैं, हीन भाव से देखते हैं और तिरस्कार करते हुए नकारने लगते हैं। पता नहीं हम किस तरह सामाजिक प्राणी कहे जाने लगे हैं जबकि हमारा इस प्रकार का व्यवहार असमाजिकता का परिचय देता रहा है। कुछ लोग कम असामाजिक हो सकते हैं, कुछ छद्म सामाजिक हो सकते हैं और बहुत सारे लोगों में असामाजिकता का प्रतिशत अधिक हो सकता है। असल में यही कलियुग के घनत्व को इंगित करता है जहां हर आदमी दूसरे आदमी से अपेक्षा रखता है, एक-दूसरे को खाने दौड़ता है, कुछ मिले तो पुचकारता रहता है, पूँछ हिलाता हुआ प्रशस्तिगान करता रहता है, न मिले तो काटने दौड़ता है, कुछ मिलने पर ही काम करता है, और न मिले तो टालता है, हड़काता है और चक्कर कटवाता है। वास्तव में देखा जाए तो अब समय आ गया है कि जब मनुष्यों की साफ-साफ दो श्रेणियां घोषित कर दी जाएं। एक में सामाजिक रहें, दूसरे में वे सारे असामाजिक लोग डाल दिए जाएं जो धंधेबाजी और व्यभिचारी मानसिकता से घिरे हुए हैं तथा अपने बंधुओं तथा भगिनियों से भी अपेक्षा या मांग रखते हैं और तभी काम करते हैं जबकि भीख में कुछ मिल जाए। यह भीख मुद्रा के रूप में हो सकती है, गिफ्ट के रूप में हो सकती है या किसी न किसी प्रकार के प्राकृतिक-अप्राकृतिक आनंद अथवा सुविधा के रूप में। इन भूखे-प्यासे असामाजिकों के कारण ही इंसानियत बदनाम हो रही है। ये धरती पर भी भार ही हैं जिनके पापों के कारण सब परेशान हैं। भगवान से प्रार्थना करें कि इन महापातकियों से हमें मुक्ति दिलाए ताकि मानवता अक्षुण्ण बनी रह सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसएमई विक्रेताओं की मदद के लिये 27 जून को लघु व्यवसाय दिवस आयोजित करेगी अमेजन

नयी दिल्ली। ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन ने रविवार को कहा कि वह अपने बिक्री कार्यक्रम के तीसरे संस्करण 'लघु व्यवसाय दिवस 2020' का 27 जून को आयोजन करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह आयोजन कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न आर्थिक व्यवधान से छोटे व्यवसायों, शिल्पकारों, बुनकरों, सूक्ष्म उद्यमियों और स्टार्ट-अप को उबरने में मदद करने के लिये किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि इसके तहत ग्राहकों को स्टार्ट-अप, महिला उद्यमियों, कारीगरों और बुनकरों के अनूठे उत्पादों को खोजने व खरीदने का अवसर प्रदान करेगी। यह अमेजन के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे लोकल शॉप्स, अमेजन लांचपैड, अमेजन सहेली और अमेजन कारीगर के जरिये किया जायेगा। कंपनी ने कहा कि इस आयोजन में घर के जरूरी काम, फैशन में क्षेत्रीय बुनाई, दस्तकारी के सामान और जूते-चप्पल, दीवार की सजावट और हैंगिंग, मूर्तियों, बर्तन, तथा खेल संबंधी आवश्यक सामग्री जैसे उत्पाद उपलब्ध होंगे। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष (विक्रेता सेवा) गोपाल पिल्लई ने कहा, ÷एसएमबी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो सबसे अनोखे उत्पाद भी तैयार करते हैं। ये व्यवसाय कोविड-19 से उत्पन्न व्यवधान से पहले तक लगातार वृद्धि कर रहे थे।'' पिल्लई ने कहा, हम उनका समर्थन करने और उनके उत्पादों के लिये ग्राहकों की मांग उत्पन्न करने में मदद करने को प्रतिबद्ध हैं। इसलिये इस साल, अमेजन 27 जून को लघु व्यवसाय दिवस का आयोजन कर रही है।

एचआरडी मंत्रालय की प्रबंधन संस्थान की रैंकिंग में आईआईएफटी का 26वां स्थान

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) को मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय की 'राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग 2020' के तहत प्रबंधन श्रेणी में 26वां स्थान मिला है। संस्थान की रैंकिंग में पिछली बार के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है। पिछले साल की रैंकिंग में आईआीएफटी आठ स्थान लुढ़ककर 23वें स्थान से 31वें स्थान पर चला गया था। संस्थान की रैंकिंग 2017 में 30वीं और 2016 में 81वीं थी। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पर आधारित प्रबंधन संस्थानों की रैंकिंग के पांचवें संस्करण की घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। आईआईएफटी के निदेशक मनोज पंत ने कहा कि संस्थान की रैंकिंग में सुधार शोध, पेशेवर व्यवहार और सामूहिक प्रदर्शन पर जोर देने के कारण हुआ है।

सरकार ने स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 50 लाख रुपये की बीमा योजना को सितंबर अंत तक बढ़ाया

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए 50 लाख रुपये की बीमा योजना की अवधि तीन माह के लिए बढ़ाकर सितंबर अंत तक कर दी है इस योजना के तहत करीब 22 लाख स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष बीमा कवर उपलब्ध कराया जा रहा है । यह योजना सरकारी क्षेत्र की न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लागू कर रही है। इसे शुरू में 30 जून तक के लिए लागू किया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्च में कुल 1.70 लाख करोड़ रुपये के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत इस बीमा योजना की घोषणा की थी। इसके तहत सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कुल 22.12 और ऐसे में उनके भी संक्रमित होने का जोखिम बना रहता है। इस योजना का वित्तपोषण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से किया जा रहा है। यह बीमा सुविधा केंद्र और राज्य सरकारों के तहत आने वाले अस्पतालों में काम करने वाले चिकित्सकों, नर्सों, चिकित्सा सहायकों, साफ-सफाई कर्मियों तथा कुछ अन्य लोगों को उपलब्ध कराई जा रही है।

कोरोना के इलाज के लिए भारत में दूसरी दवा को मिली मंजूरी, अब Hetero पेश करेगी इंजेक्शन

नई दिल्ली।

दवा कंपनी हेटेरो कोविड-19 के इलाज के लिए वायरल रोधी परीक्षणगतदवा रेमडेसिवीर पेश करेगी। कंपनी ने रविवार को कहा कि उसे इसके लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) की अनुमति मिल गई है। हेटेरो ने बयान में कहा कि कंपनी को डीसीजीआई से रेमडेसिवीर के विनिर्माण और विपणन की अनुमति मिल गई है। रेमडेसिवीर के जेनेरिक संस्करण की भारत में ब्रिकी 'कोविफोर ब्रांड नाम से की जाएगी। बयान में कहा गया है कि डीसीजीआई ने बालिगों और बच्चों में संदिग्ध या पुष्ट कोविड-19 के मामलों या फिर इसके संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती लोगों के इलाज के लिए इस दवा को अनुमति दे दी है। कंपनी ने कहा कि भारत में कोविड-19 के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। ऐसे में कोविफोर को अनुमति पासा पलटने वाली साबित हो सकती है, क्योंकि इसके क्लिनिकल नतीजे काफी सकारात्मक रहे हैं। हेटेरो ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन बी पार्थ सराधी रेड्डी ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह उत्पाद जल्द देशभर के मरीजों को उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि कंपनी मौजूदा जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करेगी। यह दवा 100 एमजी की शीशी (इंजेक्शन) के रूप में उपलब्ध होगी। इस उत्पाद को भारतीय बाजार में गिलेड साइंसेज इंक के साथ लाइसेंसिंग करार के तहत उतारा जा रहा है।

2.41 अरब डॉलर के कर्ज भुगतान को टालेगा पाकिस्तान, कोविड-19 संकट से निपटने में मिलेगी मदद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान 2020 में ऋण भुगतान स्थगन पहल (डीएसएसआई) के तहत अपने 2.41 अरब डॉलर के कर्ज के भुगतान के लिए नई समयसारिणी बनाएगा। यानी वह इस कर्ज का भुगतान बाद में करेगा। विश्व बैंक का मानना है कि इस कदम से नकदी संकट से जूझ रहे देश को कोविड-19 से प्रभावी तरीके से निपटने में मदद मिलेगी। 'द डॉन' अखबार की रविवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान को 2020 में कुल 8.9 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान करना है। विश्व बैंक का कहना है कि यदि पाकिस्तान 2.4 अरब डॉलर के कर्ज के भुगतान को आगे के लिए टालता है तो इससे देश को 2020 में सिर्फ 6.5 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान करना होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.9 प्रतिशत की बचत होगी। विश्व बैंक ने बयान में कहा कि इस पहल से देश प्रभावी तरीके से संकट से निपट सकेगा। कोविड-19 संकट के बीच इससे पाकिस्तान को सामाजिक, स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्रों में खर्च बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सीआईआई ने कारोबार सुगमता की स्थिति सुधारने के लिए उपाय सुझाए

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने देश के कारोबार सुगमता परिदृश्य को सुधारने के लिए कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपायों की पहचान की है। उद्योग मंडल का कहना है कि इससे देश को आत्म-निर्भर बनने में मदद मिलेगी। सीआईआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) क्षेत्र को मदद का हाथ बढ़ाया जाना चाहिए। उन्हें राज्य कानूनों के तहत तीन साल तक मंजूरियों और निरीक्षण से छूट मिलनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर रिकॉर्ड वाले एमएसएमई को मंजूरियों के लिए स्व प्रमाणन का मार्ग अपनाया जा सकता है। उद्योग मंडल ने इसके साथ ही ऑनलाइन एकल खिड़की प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन, संपत्ति के पंजीकरण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को सरल करने, श्रम नियमनों के लिए अनुपालन को तेज करने और संयुक्त निरीक्षणों को जोड़ने का सुझाव दिया है। सीआईआई ने कहा है कि संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को सुगम किया जाना चाहिए। साथ ही उसने सुझाव दिया है कि उद्योग को सीधे किसानों से जमीन खरीदने की अनुमति होनी चाहिए, जिसपर 30 दिन बाद मंजूरी मान ली जानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिपोर्ट में कहा गया है कि अपर्याप्त वाणिज्यिक अदालतों और बुनियादी ढांचे की वजह से अनुबंध का प्रवर्तन चुनौती होती है।

एफपीआई ने जून में अब तक किये 17,985 करोड़ रुपये के निवेश

नयी दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नकदी की बढ़ती उपलब्धता और उच्च जोखिम के बीच जून में अब तक भारतीय पूंजी बाजारों में शुद्ध रूप से 17,985 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 19 जून के बीच इक्विटी में 20,527 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। हालांकि उन्होंने ऋणपत्रों से 2,569 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इस तरह आलोच्य अवधि में घरेलू पूंजी बाजार में उनका कुल शुद्ध निवेश 17,985 करोड़ रुपये हो गया। इससे पहले, विदेशी निवेशक लगातार तीन महीनों तक शुद्ध बिकवाल बने रहे। उन्होंने मई में 7,366 करोड़ रुपये, अप्रैल में 15,403 करोड़ रुपये और मार्च में 1.1 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी की थी। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा, जैसा कि दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाएं तरलता बढ़ा रही हैं, इक्विटी जैसे उच्च जोखिम वाले निवेश के लिये उत्सुकता भी काफी बढ़ रही है। यह पैसा भारत की तरफ भी आयेगा क्योंकि भारत उभरते बाजारों में अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि घरेलू और व्यक्तिगत उत्पादों, तेल और गैस तथा दूरसंचार क्षेत्र शेयरों ने पिछले महीने में सबसे अधिक एफपीआई आकर्षित किया है। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं मौलिक शोध के प्रमुख रस्मिक ओझा के अनुसार, व्यावसायिक गतिविधियां धीरे-धीरे फिर से शुरू होने और बैंकिंग व वित्तीय सेवा क्षेत्र से मिल रहे कुछ सकारात्मक संकेतों के कारण बाजार की धारणा बेहतर है। सकारात्मक संकेतों के कारण बाजार की धारणा बेहतर है। उन्होंने कहा, चूंकि वैश्विक बाजार सहायक हैं, इसलिए निफ्टी -50 दस हजार अंक के स्तर से पुन- ऊपर चला गया है। यदि अगले सप्ताह में वैश्विक बाजार तेजी से नहीं गिरते हैं, तो हम एफपीआई की ओर से कुछ सकारात्मक प्रवाह की उम्मीद कर सकते हैं।'' मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर-मैनेजर रिसर्च हिमांशु श्रीवास्तव ने निवेश के माहौल को प्रकृति में गतिशील करार दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस महामारी से पहले भी गति हासिल करने के लिये संघर्ष कर रही थी। हाल ही में, फिच रेटिंग्स ने भारत के संप्रभु रेटिंग दृष्टिकोण को स्थिर से नकारात्मक कर दिया। एजेंसी ने देश की रेटिंग बीबीबी- पर बनाये रखी। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों के लिये यह अच्छा नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत और चीन, अमेरिका और चीन तथा उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच भू-राजनैतिक तनाव भी उभरते हुए बाजारों के लिये प्रतिकूल हैं।

रतन टाटा ने ऑनलाइन घृणा, डराने-धमकाने पर रोक की वकालत की

नयी दिल्ली। जानेमाने उद्योगपति रतन टाटा ने रविवार को ऑनलाइन घृणा और धमकाने को रोकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाय एक दूसरे का समर्थन करना चाहिये क्योंकि यह सभी के लिये 'चुनौतियों से भरा साल' है। टाटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि ऑनलाइन समुदाय एक-दूसरे के लिये हानिकारक हो रहे हैं और एक-दूसरे को नीचे ला रहे हैं। टाटा समूह के चेयरमैन एमेरिटस ने कहा, यह वर्ष किसी न किसी स्तर पर सभी के लिये चुनौतियों से भरा है। मैं ऑनलाइन समुदाय को एक-दूसरे के लिये हानिकारक होते हुए देख रहा हूं। लोग त्वरित राय बनाकर एक-दूसरे को नीचा दिखा रहा हैं।'' उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह वर्ष विशेष रूप से हम सभी के लिये एकजुट और मददगार होने का आह्वान करता है और यह एक-दूसरे को नीचे गिराने का समय नहीं है। एक-दूसरे के प्रति अधिक संवेदनशीलता का आग्रह करते हुए उन्होंने अधिक दयालुता, अधिक समझ और धैर्य की आवश्यकता को दोहराया। लेकिन मुझे वास्तव में उम्मीद है टाटा ने कहा कि उनकी ऑनलाइन उपस्थिति सीमित है, लेकिन मुझे वास्तव में उम्मीद है कि यह सदाशयता के स्थान के तौर पर विकसित होगा और नफरत व बदमाशी के बजाय यहां हर किसी का समर्थन किया जायेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेजी जारी, 15 दिनों में कितना महंगा हुआ तेल

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। आज फिर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। पिछले 15 दिनों में पेट्रोल जहां 7.97 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है वहीं डीजल की कीमत भी 8.88 रुपए प्रति लीटर बढ़ गई है।

दिल्ली में डीजल 60 पैसे तो पेट्रोल 35 पैसे महंगा हुआ

रविवार, 21 जून को भी सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी किए। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत कल के 78.88 रुपए से बढ़कर 79.23 रुपए प्रति लीटर हो गई जो कि 35 पैसे प्रति लीटर महंगा है। इसी तरह डीजल की कीमत 77.67 रुपए से बढ़कर 78.27 रुपए प्रति लीटर हो गई जो कल के मुकाबले 60 पैसे महंगा है।

प्रमुख महानगरों में इतनी है कीमत

कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल की कीमत क्रमशः 80.95, 86.04 और 82.58 रुपए प्रति लीटर है। डीजल की बात करें, तो इन महानगरों में इसका दाम क्रमशः 73.61, 76.69 और 75.80 रुपए है।

15 दिनों में 8.88 रुपए महंगा हो गया डीजल

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यूं तो पिछले 15 दिनों में से अधिकतर दिन क्रूड आयल की कीमतों में नरमी का ही रुख रहा, लेकिन घरेलू बाजार में इसकी कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। अभी इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत 35-40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है। लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उस हिसाब से कमी नहीं हुई है।

इसी का असर है कि पिछले 15 दिनों में डीजल की कीमत में 8.88 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। इतने दिनों में पेट्रोल का दाम भी 7.97 रुपए प्रति लीटर चढ़ गया। पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप स्वयं के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

बहु-आयामी दृष्टिकोण अपना रहा सीसीआईः गुप्ता

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि नियामक बाजार प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए इकाइयों को कारोबार में गैर-प्रतिस्पर्धी रास्तों से बचने की सावधानी बरते को प्रेरित करने के साथ साथ बहुआयामी दृष्टिकोण अपना रहा है। नियामक कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर भी सतर्क है। सीसीआई के चेयरपर्सन अशोक कुमार गुप्ता ने ईमेल के जरिये एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा कि कोविड-19 ने नियामक के लिये नयी चुनौतियां खड़ी की है। हालांकि उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा कानून पर्याप्त लचीला और भविष्योन्मुखी है। सीसीआई बाजार में अनुचित व्यापारिक तरीकों को रोकने के लिये काम करता है। आयोग के पास ऐसे तरीकों को रोकने और हटाने के लिये दंड देने के साथ-साथ संबंधित निकायों को निर्देश देने की शक्तियां हैं। गुप्ता ने कहा कि नियामक यह सुनिश्चित करने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपना रहा है कि कानून का उल्लंघन न हो। उन्होंने कहा, औपचारिक दाखिलों के जवाब के अलावा, सीसीआई मीडिया खबरों के माध्यम से बाजार में उपस्थित निकायों के प्रतिस्पर्धा रोधी आचरण और व्यवहार पर नजर रखता है। एक बार जब प्रथम दृष्ट्या मामला स्थापित हो जाता है।

एईपीसी ने पीपीई किट के निर्यात पर लगी रोक हटाने की मांग की

नयी दिल्ली।

भारतीय परिधान निर्यात उद्योग संगठन एईपीसी ने निजी सुरक्षा परिधान (पीपीई) किट के निर्यात पर लगी रोक हटाने का सरकार से रविवार को आग्रह किया। संगठन का कहना है कि अब इसका उत्पादन प्रति दिन आठ लाख यूनिट तक पहुंच गया है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि वैश्विक पीपीई किट बाजार में घरेलू कंपनियों के लिये निर्यात के भारी अवसर मौजूद हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, घरेलू निर्यातक पीपीई के लिये वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये तैयार हैं। पीपीई के वैश्विक निर्यात बाजार के अगले पांच वर्षों में 60 अरब डॉलर से अधिक के हो जाने के अनुमान हैं। एईपीसी ने सरकार से पीपीई किट के निर्यात पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण उद्योग को भारी नुकसान हुआ है। उद्योग जगत ने देश भर में अपनी उत्पादन सुविधाओं को फिरे से तैयार करके पीपीई का निर्माण करने के लिये बड़ी उत्पादन सुविधाओं को शुरू किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और अन्य देशों ने पीपीई निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया है और उन्हें भारी ऑर्डर मिल रहे हैं। शक्तिवेल ने कहा, हमें प्रतिस्पर्धी देशों से निर्यात बाजार खोने की आशंका है। पीपीई का उत्पादन देश की जरूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त से अधिक है और इसे अब निर्यात के लिये खोला जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि इसके लिये अमेरिका और यूरोप सबसे बड़े संभावित खरीदार हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान को पिछले सप्ताह 10 करोड़ डॉलर के निर्यात के ऑर्डर मिले हैं, जो बढ़कर 50 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। इसी तरह, बांग्लादेश ने भी वैश्विक व्यापार में अपने काम को आक्रामक रूप से संरक्षित किया है। उन्होंने कहा, हमें एक आकर्षक वैश्विक व्यापार के अवसर को नहीं खोना चाहिये और पीपीई निर्यात शुरू करना समय की आवश्यकता है। भारत को उन आर्थिक और राजनीतिक लाभ पर गौर करना चाहिये, जो इस समय पर पीपीई निर्यात करने से महामारी के बाद के समय में उत्पन्न होंगे।

आम्रपाली मामला: चाइनीज डायरेक्टर समेत जेपी मॉर्गन के अधिकारियों से पूछताछ करेगी ईसी

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय आम्रपाली समूह से जुड़े एक मामले में जेपी मॉर्गन इंडिया के निदेशक मंडल के सदस्यों से विस्तृत पूछताछ शुरू करेगा, जिसमें एक चीनी नागरिक भी शामिल है। यह मामला आम्रपाली समूह की रियल एस्टेट परियोजनाओं में घर खरीदने वालों के करोड़ों रुपए के कथित हेराफेरी से संबंधित है। जांच ऐजेंसी को इस सबंध में उच्चतम न्यायालय के 18 जून के आदेश से बल मिला है। न्यायालय ने जेपी मॉर्गन को अपने एक बैंक खाते से 140 करोड़ रुपए से अधिक की रकम को यूको बैंक में खोले गए एस्क्रो खाते में ट्रांसफर करने के आदेश दिए। जेपी मॉर्गन का वह खाता ईडी ने हाल में कुर्क किया था। अदालत ने कहा है कि यह पैसा आम्रपाली की लंबित परियोजनाओं में लगाया जाएगा। इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध की दृष्टि से जांच कर रहे अधिकारियों ने कहा कि यह पहली बार है जब उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा जारी प्राथमिक कुर्की आदेश से संतुष्ट होने के बाद इस तरह के धन को स्थानांतरित करने को कहा है। आमतौर पर, एक बार कुर्क हो गये धन को उन्हीं बैंक खातों में रखा जाता है, जहां वे होते हैं। कुर्की के आदेश को मंजूरी तथा बाद में संपत्ति की जब्ती के लिये धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अधिनिर्णय प्राधिकरण को भेजा जाता है। ईडी ने हाल ही में पीएमएलए के तहत जारी एक आदेश के तहत मुंबई में एक बैंक शाखा में रखे जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के 187 करोड़ रुपए से अधिक के कोष को कुर्क किया था। उच्चतम न्यायालय इस मामले की निगरानी कर रही है। उसने पिछले साल दिसंबर में ईडी को जांच का प्रभार देने का निर्देश दिया था और ईडी के लखनऊ जोन के संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह को जेपी मॉर्गन के खिलाफ धन शोधन कानून और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कार्रवाई करने के लिये कहा था।

कमजोर आर्थिक भावनाएं गुणवत्तापूर्ण खरीदारी को बढ़ावा देंगी : वालमार्ट इंडिया सीईओ

नयी दिल्ली।

वालमार्ट इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि मौजूदा कमजोर आर्थिक भावनाएं आगे चलकर ग्राहकों के बीच गुणवत्तापूर्ण खरीदारी को बढ़ावा देंगी और लॉकडाउन के बाद भी खुदरा क्षेत्र में ऑनलाइन के साथ ही डिलीवरी बिक्री बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन मूल रूप से उपभोक्ताओं की आदतों को बदल देगा, और यहां तक कि प्रतिबंधों के पूरी तरह खत्म होने के बाद भी उपभोक्ता आवाजाही को जरूरी यात्राओं तक सीमित रखेंगे तथा सुरक्षा कारणों से घर में रहना पसंद करेंगे और ऑनलाइन तथा डिलीवरी के लिए ऑर्डर करना जारी रखेंगे। वॉलमार्ट इंडिया बेस्ट प्राइस के सीईओ समीर अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''कमजोर आर्थिक भावनाओं के साथ हम उम्मीद करते हैं कि ग्राहक ज्यादा गुणवत्तापूर्ण खरीदारी की ओर बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा कि महामारी के कारण स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ेगी और इनसे संबंधित उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी। अग्रवाल ने कहा, ''हमारा मानना है कि भरोसेमंद ब्रांडों को फायदा होगा क्योंकि ग्राहक सुरक्षा मानकों और कामकाज के तरीकों को महत्व देंगे।'' उन्होंने एक अप्रैल से बेस्ट प्राइज वालमार्ट इंडिया के सीईओ का पदभार संभाला है वॉलमार्ट इंडिया अमेरिका स्थित दिग्गज रिटेलर वॉलमार्ट इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इस समय 'कैश एंड कैरी' प्रारूप के तहत 28 बेस्ट प्राइस शॉप का संचालन करती है। कंपनी का अनुमान है कि छोटी अवधि के लिए गैर-मूलभूत श्रेणियों जैसे छोटे रसोईघर और घरेलू उपकरणों की मांग कम रह सकती है। इसके अलावा कंपनी को होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग तथा संस्थागत खरीदारों से मांग बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि अनलॉक 1.0 में इन सेवाओं की इजाजत दी गई है। अग्रवाल ने कहा लॉकडाउन के दौरान ज्यादातर होटल, रेस्टोरेंट और कार्यालय बंद थे। इस संस्थानों को दोबारा खोलने पर उन्हें कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए मास्क, सैनिटाइटर जैसे स्वच्छता उत्पादों की जरूरत होगी उन्होंने कहा कि इसके अलावा हमें लग रहा है कि डिस्पोजेबल उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी।

महामारी के कारण बस, टैक्सी क्षेत्र में 20 लाख लोग हुए बेरोजगार: बीओसीआई

नयी दिल्ली।

बस व कार ऑपरेटरों के संगठन बीओसीआई के अनुसार, कोरोना वायरस महामारी के कारण बस-टैक्सी क्षेत्र में करीब 20 लाख लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं। संगठन ने कहा कि अभी इतने ही लोगों के बेरोजगार होने का खतरा मंड़रा रहा है। बस एंड कार ऑपरेटर्स कंफेडरेशन ऑफ इंडिया (बीओसीआई) 15 लाख बसें, मैक्सी कैब और 11 लाख पर्यटन टैक्सी चलाने वाले 20 हजार ऑपरेटरों के प्रतिनिधित्व का दावा करता है। संगठन का दावा है कि ये ऑपरेटर एक करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया कराते हैं। संगठन ने कहा कि इस कठिन समय में निजी ऑपरेटरों को कर राहत तथा कर्ज के ब्याज में राहत के तौर पर सरकार से मदद की उम्मीद है, क्योंकि महामारी ने उन्हें बंद होने के कगार पर पहुंचा दिया है। बीओसीआई के अध्यक्ष प्रसन्ना पटवर्धन ने पीटीआई-भाषा को बताया, लॉकडाउन के दौरान हमारे वाहनों में से 95 प्रतिशत सड़क से दूर थे। बहुत कम बसें कंपनी के अनुबंधों के लिये संचालित होती थीं, जबकि कुछ का इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों के परिवहन के लिए किया जाता था। उन्होंने कहा कि कोई कारोबार नहीं होने से सदस्य ऑपरेटर कर्मचारियों को वेतन देने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक करोड़ लोगों में से कम से कम 30-40 लाख लोग अपनी नौकरियां खो देंगे। 15-20 लाख लोग पहले ही अपनी नौकरी खो चुके हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना के बीच स्मिथ ने बताई दिल की बात, कहा- भारत के साथ श्रृंखला खेलने को बेकरार

नई दिल्ली। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारतीय टीम के आस्ट्रेलियाई दौरे को लेकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने कहा कि वह इस श्रृंखला में खेलने के लिए बेताब हैं जो काफी विशेष होगी। भारतीय टीम इस साल आस्ट्रेलियाई दौरे पर अक्टूबर और जनवरी 2021 तक तीन वनडे, चार टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स शो 'क्रिकेट कनेक्टिड में कहा, 'उनकी टीम काफी शानदार है और इस साल आस्ट्रेलिया के दौरे पर मैं उनके साथ खेलने को बेकरार हूं, यह श्रृंखला काफी बेहतरीन होगी। भारत का दौरा 11 अक्टूबर को ब्रिसबेन में टी20 मैच के साथ शुरू होगा। भारत का दौरा 11 अक्टूबर को ब्रिसबेन में टी20 मैच के साथ शुरू होगा। इसके बाद टीम 14 अक्टूबर को कैनबरा और 17 अक्टूबर को एडिलेड में अगले दो मैच खेलेगी। चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला तीन दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट दिन/रात्रि होगा जो एडिलेड में 11 से 15 दिसंबर तक खेला जाएगा।

लिएंडर पेस बोले- 8वां ओलंपिक खेलना मुश्किल, वैक्सीन के बिना ओलंपिक नहीं हो सकता

कोलकाता (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक सहित कई दूसरे टूर्नामेंटों के निलंबित होने के बाद दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को लग रहा है कि लगातार आठवें ओलंपिक में खेलने का उनका सपना साकार नहीं होगा। बुधवार को अपना 47वें जन्मदिन मनाने वाले पेस ने पहले कहा था कि 2020 सत्र और ओलंपिक उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा लेकिन कोरोना वायरस महामारी ने उनकी पूर्व नियोजित योजना पर पानी फेर दिया। पेस ने 'भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स - यंग लीडर्स फोरम' द्वारा आयोजित एक वेबिनार के दौरान कहा- मैं वास्तव में ओलंपिक के बारे में चिंतित हूं क्योंकि यह मेरे इतिहास, मेरी विरासत के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा- मैं 'वन लास्ट रोर (आखिरी)' सत्र में था, जिसका समापन तोक्यो ओलंपिक के साथ होना था। लेकिन ओलंपिक को 2021 के लिए निलंबित कर दिया है और विश्व अर्थव्यवस्था भी नीचे की तरफ जा रही है। ऐसे में ओलंपिक के लिए कॉरपोरेट प्रायोजक कैसे आएंगें।

पेस ने कहा- कोविड-19 से निपटने के लिए टीके (वैक्सीन) के बिना ओलंपिक का 2021 में भी आयोजन मुश्किल होगा।डेविस कप में 44 जीत का रिकार्ड बनाने वाले पेस ने कहा- जापानी खेल प्रशासन ऐसे में ओलंपिक का संचालन कैसे कर पाएगा, खासकर अगर यह बिना दर्शकों के हुआ तो? डेविस कप में 44 जीत का रिकार्ड बनाने वाले पेस ने कहा- जापानी खेल प्रशासन ऐसे में ओलंपिक का संचालन कैसे कर पाएगा।

खासकर अगर यह बिना दर्शकों के हुआ तो? उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा- अगर स्टेडियम खाली रहा तो राजस्व कहां से आयेगा। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका हम सामना करेंगे। पेस बोले- खेल इतना बड़ा व्यवसाय है, यहां ऐसे भी एथलीट है जो सैकड़ों मिलियन डॉलर की कमाई करते हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद वह फिर से पेशेवर सर्किट में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा- जब लॉकडाउन खुलेगा तब मैं वापसी करूंगा। मैं उस 30 वर्षीय एथलीट की तरह लिएंडर का नया संस्करण रहूंगा।

श्रीसंत ने जताई भारत के लिए 2023 का विश्व कप खेलने की इच्छा, कही बड़ी बात

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

कुछ दिन पहले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ ने खेलने के लिए स्वीकृति दे दी। जिसके बाद श्रीसंत अपनी वापसी की ओर प्रैक्टिस में लग गए है। ऐसे में श्रीसंत का कहना है कि अगर उन्हें टीम इंडिया में मौका मिलतै है तो वह बड़ी प्रदर्शन करके 2023 का विश्व कप खेलना चाहता हूं। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान श्रीसंत ने कहा, 'मेरा अभी भी मानना है कि मैं 2023 का वर्ल्ड कप खेल सकता हूं। मुझे इस पर पूरा विश्वास है। मैं हमेशा अपने लक्ष्य को लेकर अनरियलिस्टक रहता था लेकिन ये ज्यादातर खिलाड़ियों के साथ होता है। अगर आपके पास अनरियलिस्टक लक्ष्य नहीं हैं तो फिर आप एक मामूली इंसान बनकर रह जाएंगे लेकिन जब आप अपने आप को मना लेते हैं कि ये असंभव सा काम आप कर सकते हैं तो फिर चीजें बेहतर होती चली जाती हैं। उसके बाद आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं।' गौरतलब है कि 2007 टी20 विश्व कप हो या 2011 एकदिवसीय विश्व कप, दोनों ही मैच विनिंग टीम का हिस्सा रहे एस श्रीसंत को 2013 में मैच फिक्सिंग विवादों के फंसे थे। राजस्थान रॉयल्स के श्रीसंत व उनके 2 साथी खिलाड़ी अजीत चांडिला और अंकित छवन को गिरफ्तार किया था। बीसीसीआई ने इसके बाद तीनों खिलाड़ियों पर लाइफटाइम बैन कर दिया था। जिसके बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट से बैन से मुक्ति मिल गई थी।

वॉर्नर ने कहा- यदि टी-20 वर्ल्ड कप टलने पर उसकी जगह आईपीएल होता है, तो सभी ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर खेलने के लिए तैयार

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर ने कहा कि यदि इस साल टी-20 वर्ल्ड कप कोरोना के कारण टलता है। साथ ही उसकी जगह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) होता है, तो मुझे पूरा विश्वास है कि ऑस्ट्रेलिया के सभी खिलाड़ी लीग में खेलेंगे। हालांकि, वॉर्नर ने कहा कि इसके लिए ऑस्ट्रेलिया बोर्ड से मंजूरी मिलना भी जरूरी होगा। वे आईपीएल की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते नजर आएंगे। इस साल ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है। कोरोना के कारण इसे टाला जाए या नहीं इस पर अगले महीने आईसीसी की बैठक में फैसला किया जा सकता है। वहीं, 29 मार्च से होने वाला आईपीएल वायरस के कारण पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टल चुका। वॉर्नर ने एक इंग्लिश चैनल से कहा, ''यदि इस साल टी-20 वर्ल्ड कप नहीं होता है और उसकी जगह आईपीएल कराया गया, तो मुझे पूरा विश्वास है और मैं इस बात को लेकर पॉजिटिव हूं कि जिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को चुना गया है, वे इंडियन लीग में जरूर खेलेंगे। इसके लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड की मंजूरी भी जरूरी होगी। ऐसा होता है, तो हम आईपीएल के आखिरी दिन तक खेलेंगे। हम भी लीग में खेलना पसंद करते हैं।'' वॉर्नर ने कहा, ''टी-20 वर्ल्ड कप के टलने को लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं। लेकिन, वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया आने वाली हर एक टीम के लिए यह मुश्किल चुनौती होने वाली है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया सरकार महामारी को कंट्रोल करने और प्रतिबंध हटाने की पूरी कोशिश कर रही है।

बीसीसीआई अधिकारी बोले- हर साल सट्टेबाजी से 40 हजार करोड़ रु. की अवैध कमाई होती है

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में फिक्सिंग और भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आईसीसी फिक्सिंग से जुड़े जिन 50 मामलों की अभी जांच कर रही है, उनमें से ज्यादातर के तार भारत से जुड़े हैं। वहीं, बीसीसीआई के एंटी करप्शन यूनिट के हेड अजित सिंह कहना है कि हर साल सट्टेबाजी से 40 हजार करोड़ रुपए की अवैध कमाई होती है। आईसीसी की एंटी करप्शन यूनिट से जुड़े एक अधिकारी ने स्पोर्ट्स लॉ और पॉलिसी से जुड़े वेबिनार में यह खुलासा किया। आईसीसी के एसीयू यूनिट के अधिकारी स्टीव रिचर्ड्सन के मुताबिक, 2013 के आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग के खुलासे के बाद यह लगा था कि भारतीय क्रिकेट में करप्शन कम होगा। लेकिन ताजा रिपोर्ट कुछ और हकीकत बता रही है। रिचर्ड्सन ने आगे कहा, ''खिलाड़ी चेन का आखिरी हिस्सा होते हैं। मुश्किल यह है कि जो इस पूरे धंधे को चलाते हैं वह मैदान के बाहर बैठते हैं। मैं बीसीसीआई और भारतीय जांच एजेंसियों को ऐसे 8 नाम दे सकता हूं, जो खिलाड़ियों को पैसा देकर उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि भले ही अब तक किसी हाई प्रोफाइल भारतीय क्रिकेटर का नाम जांच में सामने नहीं आया है, लेकिन खिलाड़ी और सट्टेबाजी का गठजोड़ बना हुआ है। पिछले साल कर्नाटक प्रीमियर लीग (केपीएल) में कई लोगों पर फिक्सिंग से जुड़े आरोप लगाए गए थे, जिसमें खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम मालिक भी शामिल थे। बोर्ड की एसीयू यूनिट के प्रमुख अजीत सिंह ने कहा कि इन लोगों के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दायर की है। उन्होंने बताया कि यह पूरा धंधा सट्टेबाजी से होने वाली अवैध कमाई पर टिका है। जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में सट्टेबाज खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ, ऑफिशियल्स और फ्रेंचाइजी मालिकों से संपर्क करते हैं। हर साल सट्टेबाजी के जरिए 30 से 40 हजार करोड़ रुपए की कमाई होती है। कई स्टेट क्रिकेट लीग की जांच के दौरान यह पता चला कि कुछ मैचों में यह रकम करीब 19 करोड़ तक थी। आईसीसी का मानना है भारत में क्रिकेट में भ्रष्टाचार पर तभी रोक लगाई जा सकेगी, जब तक यहां फिक्सिंग को कानून के मुताबिक अपराध घोषित नहीं किया जाता। रिचर्डसन ने कहा, ''मैच फिक्सिंग के खिलाफ कानून लाने वाला पहला देश श्रीलंका था, इसलिए वहां क्रिकेट सुरक्षित है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में चीजे काफी बेहतर हैं।

हालांकि, भारत में ऐसा कोई कानून नहीं, जिसके कारण बीसीसीआई भारत में खुलकर काम नहीं कर पाती है।'' ऑस्ट्रेलिया के कानून के मुताबिक, वह फिक्सिंग में शामिल होने के शक में किसी को भी बड़े टूर्नामेंट से पहले किसी भी व्यक्ति को अपने देश में आने से रोक सकते हैं। भारत में भी 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2023 वनडे वर्ल्ड कप होने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे मुर्तजा कोरोना वायरस पॉजिटिव

ढाका। बंगलादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे मुर्तजा और नफीस इकबाल कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। मशरफे के भाई मोर्सालिन मुर्तजा ने शनिवार को पुष्टि करते हुए बताया कि मशरफे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और शुक्रवार को उनका टेस्ट कराया गया। उन्हें घर में आइसोलेशन में रखा गया है। दरअसल, मुर्तजा ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, 'आज मेरा कोरोना वायरस टेस्ट का नतीजा पॉजिटिव रहा। सभी मेरे जल्दी ठीक होने के लिये दुआ करें। उन्होंने कहा, 'अब संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख पार कर गया है। हमें और एहतियात बरतनी होगी। घरों में रहे और जरूरी नहीं होने पर बाहर नहीं निकले। मैं घर में प्रोटोकॉल का पालन कर रहा हूं। हमें घबराने की बजाय इस बीमारी को लेकर जागरूकता पैदा करनी होगी। 36 वर्षीय मशरफे ने बांग्लादेश की तरफ से 36 टेस्ट, 220 वनडे और 54 टी-20 मैच खेले हैं। वह कोरोना महामारी के दौरान लगातार प्रभावितों की मदद कर रहे थे। मुर्तजा के अलावा वनडे टीम के कप्तान तमीम इकबाल के बड़े भाई और बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर नफीस इकबाल कोरोना वायरस की जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बाएं हाथ के स्पिनर इस्लाम भी पॉजिटिव पाए गए जो अपने शहर नारायणगंज में राहत कार्य में लगे थे। नफीस इकबाल ने 2003 में बांग्लादेश के लिये पदार्पण किया था लेकिन 2006 के बाद राष्ट्रीय टीम से बाहर हो गए। 'द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार नफीस ने खुद पुष्टि की है कि वह इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और इस समय वह चटगांव में घर में अलग रह रहे हैं। चौंतीस साल के इस खिलाड़ी ने बांग्लादेश के लिये 11 टेस्ट और 16 वनडे खेले।

गांगुली के भाई स्नेहाशीष ने कोरोना संक्रमित होने की खबरों का किया खंडन

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सचिव और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली ने उनके कोरोना से संक्रमित होने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और ये खबरें महज अफवाह हैं। कैब ने एक बयान जारी कर कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि कैब के मानद सचिव स्नेहाशीष गांगुली पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनसे जुड़ी कोरोना संक्रमण की खबरें आधारहीन हैं। रणजी ट्रॉफी के पूर्व खिलाड़ी रहे स्नेहाशीष ने कहा, 'मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं और रोज ऑफिस जा रहा हूं। मेरी बीमारी को लेकर आ रही खबरें बेबुनियाद हैं और ऐसे कठिन वक्त में इस तरह की बातों की उम्मीद नहीं रखी जाती है। स्नेहाशीष नेआगे कहा, 'उम्मीद है कि जो भी अफवाहें उड़ाई गई हैं वह अब पूरी तरह से बंद हो जाएंगी। गौरतलब है कि इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि स्नेहाशीष गांगुली की पत्नी समेत उनके सास-ससुर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

फीडे महिला स्विस टूर्नामेंट - भारत की आर वैशाली नें विश्व नंबर 3 रूस की गोरयाचकिना को हराया

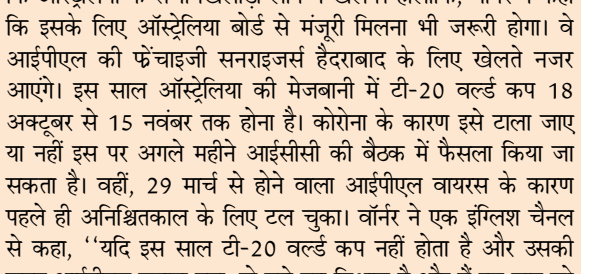

मॉस्को (एजेंसी)।

फीडे विश्व महिला स्पीड शतरंज चैंपियनशिप मे भारत की युवा खिलाड़ी आर वैशाली नें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहले तो अंतिम आठ मे जगह बनाई हुई और उसके बाद प्ले ऑफ मुक़ाबले मे विश्व नंबर 3 रूस की आलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना को मात देते हुए बड़ी जीत हासिल की इसके साथ ही वह अंतिम चार मे पहुँच गयी थी पर अंतिम दो के मुक़ाबले और ग्रां प्री मे पहुँचने के पहले ही उन्हे मंगोलिया की तुर्मुख मुंखजुल से हार का सामना करना पड़ा । उनसे जीतकर मुंखजुल फ़ाइनल मे पहुँचने मे कामयाब रही जबकि उनके अलावा वियतनाम की फाम ले ताओ भी ग्रां प्री के मे पहुँचने मे कामयाब रही । प्रतियोगिता मे दुनिया भर की 229 महिला ग्रांड मास्टर और इंटरनेशनल मास्टर खिलाड़ियों नें भाग लिया । शीर्ष आठ नॉकआउट प्लेऑफ में जगह बनाने वाले खिलाड़ी थे : फाम ले ताओ (वियतनाम, 11/13), करीना अंबार्टसुमोवा (रूस), वैशाली आर (भारत), वैलेंटिना गुनिना (रूस, 10/13), पेट्रा पैप (हंगरी), आलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना (रूस), तुरमुंक मुंखजुल (मंगोलिया), और डेसी कोरी (पेरू, सभी ने 9.5 / 13) बनाए।

बकनर ने रिटायरमेंट के 11 साल बाद माना कि सचिन को 2 बार गलत आउट दिया था

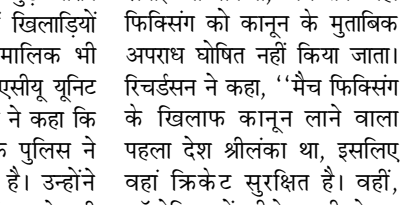

स्पोर्ट्स डेस्क। आईसीसी की एलीट पैनल में शामिल रहे वेस्टइंडीज के अंपायर स्टीव बकनर ने माना कि उन्होंने दो मौकों पर सचिन को गलत आउट दिया था। उन्हें आज भी अपने इन फैसलों का अफसोस है। बकनर ने अपने रिटायरमेंट के 11 साल बाद बारबाडोस के एक रेडियो प्रोग्राम में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''सचिन को दो मौकों पर गलत आउट दिया। मुझे नहीं लगता कि कोई भी अंपायर गलत काम करना चाहेगा, क्योंकि यह उसके साथ हमेशा रहता है और इससे उसका भविष्य खराब हो सकता है।'' बकनर ने कहा, ''गलत इंसान से ही होती है। मैंने एक बार ऑस्ट्रेलिया में 2003 में उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दिया था, जबकि जेसन गिलेस्पी की गेंद विकेट के ऊपर से जा रही थी। दूसरी बार 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में ऐसा हुआ। वह विकेट के पीछे आउट हुए थे। लेकिन रिप्ले में साफ दिखा था कि गेंद बल्ले से छूकर नहीं निकली थी।'' उन्होंने बताया कि मैच ईडन गार्डन में हो रहा था। जब आप वहां होते हैं और भारत बल्लेबाजी कर रहा होता है, तो आपको कुछ नहीं सुनाई देता है, क्योंकि एक लाख से ज्यादा दर्शक शोर मचा रहे होते हैं। वह मेरी गलती थी, मैं इसे मानता हूं। मुझे आज भी इसका अफसोस है। इंसान ही गलती करता है और उसे इसे स्वीकार करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। ईडन गार्डन में जब बकनर ने सचिन को अब्दुल रज्जाक की गेंद पर आउट दिया था। तब वे टेस्ट में सबसे अधिक शतक बनाने के रिकॉर्ड से कुछ रन ही पीछे थे। वे 52 रन पर थे और पहली पारी में भी अर्धशतक लगा चुके थे। इस मैच से पहले सचिन के टेस्ट में 34 शतक हो चुके थे। इस मैच से पहले सचिन के टेस्ट में 34 शतक हो चुके थे। अगर वे आउट नहीं होते तो सुनील गावस्कर के सबसे ज्यादा 34 टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ देते। लेकिन बकनर की गलती की वजह से वे तब यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाए।

स्टीव स्मिथ ने कहा- कोहली रुकने वाला नहीं, उसमें रनों की भूख है, हम उसे कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ते देखेंगे

मॉस्को । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टीम इंडिया के कैप्टन विराट कोहली को बेहतरीन इंसान बताया है। उन्होंने कहा कि कोहली रुकने वाला नहीं है। उसमें रनों की भूख है। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट कनेक्टेड शो में कहा कि हम कोहली को कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ते हुए देखेंगे। भारतीय टीम को नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 टी-20, 4 टेस्ट और तीन वनडे की सीरीज खेलना है। इस पर स्मिथ ने कहा कि यह सीरीज बहुत शानदार होने वाली है। वे इसके लिए और ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते। कोहली के रन चेज करते हुए शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए स्मिथ ने कहा, ''हां, वह बहुत अच्छा है। उनकी बल्लेबाजी रिकॉर्ड ही सबकुछ बता देते हैं। मुझे लगता है कि वे तीनों फॉर्मेट में एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं और हम उसे कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए देखेंगे। वे पहले ही बहुत रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं, मैं उन्हें कई सालों से ऐसा करते हुए देख रहा हूं। उनमें रनों की भूख है और वे रुकने वाले नहीं है।'' स्मिथ ने कहा, ''मेरी कोहली के साथ मैदान के बाहर भी कई बार बातचीत हुई है। भारत में चीजें कैसे चल रही हैं, इन सब पर भी बात की। वे शानदार व्यक्ति हैं और हम दोनों अपनी टीमों के लिए मैदान पर अपना बेस्ट देते हैं और यह खेल का हिस्सा है।'' स्मिथ ने कहा, ''उनकी टीम काफी शानदार है। इस साल ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर मैं उनके साथ खेलने को बेकरार हूं, यह सीरीज काफी बेहतरीन होगी।'' भारत का दौरा 11 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में टी-20 मैच के साथ शुरू होगा। इसके बाद टीम 14 अक्टूबर को कैनबरा और 17 अक्टूबर को एडीलेड में अगले दो मैच खेलेगी। पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के ओवल मैदान पर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच हुआ था। इस मैच में भारतीय फैंस ने स्मिथ की हूटिंग की थी। तब कोहली ने दर्शकों को रोकते हुए चीयर करने के लिए कहा था।

मिशेल स्टार्क ने चोट को साबित करने के लिए वीडियो फुटेज सौंपी, आईपीएल 2018 से जुड़ा है मामला

सिडनी (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट की वीडियो फुटेज सौंपी है जिससे कि यह साबित हो सके कि उन्हें खेलने के दौरान चोट लगी और कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से इंडियन प्रीमियर में नहीं खेल पाने के कारण वह 15 लाख 30 हजार डॉलर की बीमा राशि के हकदार हैं। समाचार पत्र की खबर के अनुसार, 'यह विलंब इसलिए हुआ क्योंकि बीमा कंपनी के वकीलों ने कहा कि उन्हें 10 मार्च से फुटेज का आकलन करने का पर्याप्त समय नहीं मिला। इसमें एक फुटेज एक मिनट 37 सेकेंड जबकि दूसरी सात मिनट 25 सेकेंड की है। हालांकि स्टार्क की कानूनी टीम ने कहा है कि बीमा कंपनी के पास मामले की समीक्षा करने और फुटेज की मांग करने के लिए 13 महीने का समय था। स्टार्क को साबित करना होगा कि उन्हें ज्ञात स्थान और समय पर एकमात्र और अचानक चोट लगी। स्टार्क श्रृंखला का तीसरा टेस्ट खेले थे। दोनों पक्षों ने अपना पक्ष रखते हुए मेडिकल रिपोर्ट सौंपी हैं। स्टार्क ने बीमा कंपनी के खिलाफ पिछले साल अप्रैल में मामला दर्ज कराया था। बीमाकर्ता ने हालांकि इस बात का विरोध किया था कि चोट पोर्ट एलिजाबेथ में दूसरे टेस्ट के दौरान लगी। 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के अनुसार दीवानीमामले की सुनवाई 12 अगस्त से होगी। मामले की सुनवाई 12 अगस्त से होगी। दोनों पक्षों के बीच पिछले महीने मध्यस्थता की कोशिशें नाकाम हो गईं जब स्टार्क के मैनेजर एंड्रयू फेजर ने फॉक्स स्पोर्ट्स की वीडियो फुटेज मुहैया कराई जिसमें यह तेज गेंदबाज दूसरे टेस्ट के दौरान गेंदबाजी कर रहा था।

विराट कोहली को तंग करने पर बोले डेविड वॉर्नर, भालू को बेवजह छोड़ना ठीक नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क। आस्ट्रेलिया टीम के स्टार खिलाड़ी डेविड वार्नर का मानना है कि टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली को मैच के दौरान तंग करना बेफकूफी होगी। वह एक ऐसे इंसान है जिसे छेड़ने का मतलब किसी भालू को तंग करने के बराबर है। दरअसल, एक वेबसाइट को इंटरव्यू देते हुए कहा, 'विराट कोहली ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे छेड़ा जाए और भालू को छेड़ने का कोई मतलब नहीं है। वार्नर ने आगामी श्रृंखला पर कहा, 'खाली स्टेडियम में भारत का सामना करना अवास्तविक होगा। मैं टीम में जगह बनाना चाहता हूं और उस श्रृंखला का हिस्सा बनना चाहता हूं। पिछली बार हमारा प्रदर्शन खराब नहीं था लेकिन अच्छी टीम ने हमें हराया था और उनकी गेंदबाजी शानदार है। उन्होंने कहा, 'अब भारत का बल्लेबाजी क्रम सर्वश्रेष्ठ है और हमारे गेंदबाज इसे निशाना बनाना चाहेंगे और भारतीय दर्शक इसे देखने को बेताब होंगे। बात करें विराट कोहली के क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने टीम के लिए अबतक 86 टेस्ट मैच खेलते हुए 145 इनिंग्स में 7240 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम के लिए वनडे फॉर्मेट में 248 वनडे मैच खेलते हुए 239 इनिंग्स में 11867 और ञ्20 फॉर्मेट में 82 मैच खेलते हुए 76 इनिंग्स में 2794 रन बनाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विविध रूप यज्ञों के

यज्ञों के कई वर्ग किए जा सकते हैं। बहुत से लोग विविध प्रकार के दान-पुण्य द्वारा अपनी सम्पत्ति का यजन करते हैं।

भारत में धनाढ्य व्यापारी या राजवंशी अनेक प्रकार की धर्मार्थ संस्थाएं खोल देते हैं यथा धर्मशाला, अन्न क्षेत्र, अतिथिशाला, अनाथालय तथा विद्यापीठ। ये सब दानकर्म द्रव्यमय यज्ञ हैं। अन्य लोग जीवन में उन्नति करने अथवा उच्च लोकों में जाने के लिए चान्द्रायण तथा चातुर्मास्य जैसे विविध तप करते हैं। इन विधियों के अन्तर्गत कठिन व्रत करने होते हैं। उदाहरणार्थ, चातुर्मास्य व्रत रखने वाला वर्ष के चार मासों में (जुलाई से अक्टूबर तक) बाल नहीं कटाता, न ही कतिपय खाद्य वस्तुएं खाता है और न निवास-स्थान छोड़कर कहीं जाता है।

जीवन के सुखों का ऐसा परित्याग तपोमय यज्ञ कहलाता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अनेक योग पद्धतियों का अनुसरण करते हैं यथा पतंजलि पद्धति अथवा हठयोग या अष्टांग योग। कुछ लोग समस्त तीर्थ स्थानों की यात्रा करते है।. ये सारे अनुष्ठान योग-यज्ञ कहलाते हैं। कुछ लोग ऐसे हैं जो विभिन्न वैदिक साहित्य यथा उपनिषद् तथा वेदान्तसूत्र या सांख्यदर्शन के अध्ययन में अपना ध्यान लगाते हैं। इसे स्वाध्याय यज्ञ कहा जाता है। ये सारे योगी विभिन्न प्रकार के यज्ञों में लगे रहते हैं और उच्चजीवन की तलाश में रहते हैं, किन्तु कृष्ण भावनामृत इनसे पृथक है, क्योंकि यह परमेश्वर की प्रत्यक्ष सेवा है। श्वास को रोकने की योग विधि प्राणायाम कहलाती है। प्रारम्भ में हठयोग के विविध आसनों की सहायता से इसका अभ्यास किया जाता है। ये सारी विधियां इन्द्रियों को वश में करने तथा आत्म-साक्षात्कार की प्रगति के लिए संस्तुत की जाती हैं। बुद्धिमान योगी एक ही जीवनकाल में सिद्धि प्राप्त करने का इच्छुक रहता है, वह दूसरे जीवन की प्रतीक्षा नहीं करता।

कुम्भक योग के अभ्यास से योगी जीवन अवधि को अनेक वर्षों के लिए बढ़ा सकता है, किन्तु भगवान की दिव्य प्रेमाभक्ति में स्थित रहने के कारण कृष्ण भावना भावित मनुष्य स्वतः इन्द्रियों का नियंता (जितेन्द्रिय) बन जाता है। उसकी इन्द्रियां कृष्ण की सेवा में तत्पर रहने के कारण अन्य किसी कार्य में प्रवृत्त होने का अवसर ही नहीं पातीं। फलतः जीवन के अन्त में उसे स्वतः भगवान कृष्ण के दिव्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया जाता है। अतः वह दीर्घजीवी बनने का प्रयत्न नहीं करता। वह तुरन्त मोक्ष पद को प्राप्त कर लेता है।

धैर्य की पराकाष्ठा

बाल गंगाधर तिलक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी थे पर वे अद्वितीय कीर्तनकार, तत्वचिंतक, गणितज्ञ, धर्म प्रवर्तक और दार्शनिक भी थे। हिंदुस्तान में राजकीय असंतोष मचाने वाले इस करारी और निग्रही महापुरुष को अंग्रेज सरकार ने मंडाले के कारागृह में 6 साल के लिए भेज दिया। यहीं से उनके तत्व चिंतन का प्रारंभ हुआ। दुःख और यातना सहते शरीर को व्याधियों ने घेर लिया था। ऐसे में ही उन्हें अपने पत्नी के मृत्यु की खबर मिली। उन्होंने अपने घर एक खत लिखा -आपका तार मिला। मन को धक्का तो जरूर लगा है। हमेशा आए हुए संकटों का सामना मैंने धैर्य के साथ किया है। लेकिन इस खबर से मैं थोड़ा उदास जरूर हो गया हूं। उसकी मृत्यु के समय मैं वहाँ उसके करीब नहीं था इसका मुझे बहुत अफसोस है। होनी को कौन टाल सकता है? परंतु मैं अपने दुःख भरे विचार सुनाकर आप सबको और दुखी करना नहीं चाहता। मेरी गैरमौजूदगी में बच्चों को ज़्यादा दुःख होना स्वाभाविक है। उन्हें मेरा संदेशा पहुंचा दीजिए कि जो होना था वह हो चुका है। इस दुःख से अपनी और किसी तरह की हानि न होने दें, पढ़ने में ध्यान दें, विद्या ग्रहण करने में कोई कसर ना छोड़ें। मेरे माता पिता के देहांत के समय मैं उनसे भी कम उम्र का था। संकटों की वजह से ही स्वावलंबन सीखने में सहायता मिलती है। दुःख करने में समय का दुरुपयोग होता है। बाल गंगाधर तिलक ने अपना धीरज न खोते हुए परिवार वालों को धैर्य बंधाया व इस परीक्षा को सफलता से पार किया। जीवन भर उन्होंने कर्मयोग का चिंतन किया था। गीता रहस्य उन्होंने इसी मंडाले के कारागृह में लिखा था।

जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो, बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए, ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं, लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए। कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गईं। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

कर्म का बीजारोपण संकल्प शक्ति

संकल्प की चरणबद्ध रूपरेखा बनाई जाती है। इसमें सोच विचार कर निश्चय किये जाते हैं। निश्चय को मन में छिपाकर नहीं रखा जाता है, वरन् प्रकट किया जाता है। तत्परतापूर्वक और तन्मयतापूर्वक मन लगाने के लिए साहस जुटाया जाता है। साधन एवं सहयोग एकत्रित करने का ताना-बाना बुना जाता है और उसके लिए समुचित दौड़-धूप की जाती है। कठिनाइयां आ सकती हैं और उनका सामना करने के लिए पहले से ही क्या तैयारी रखी जा सकती है, इन सब प्रश्नों पर गंभीरता एवं दूरदर्शिता के साथ विचार किया जाता है। जानकारों के साथ परामर्श किया जाता है। ऐसे सुनिश्चित प्रयत्नों को संकल्प कहते हैं। संकल्प और असंकल्प का अन्तर समझने वालों को असफलता से बचने और सफलता के लक्ष्य तक पहुंचने में विशेष कठिनाई नहीं होती। संकल्पवान् हर परिस्थिति का सामना करने के लिए साहस उभारते हैं। आंतरिक और परिस्थितिजन्य अवरोधों से जूझने का पराक्रम करते हैं। फलतः असमंजस हटता है और पुरुषार्थ की गतिशीलता प्रखर होती चली जाती है। लक्ष्य तक पहुंचने का यही राजमार्ग है। श्रेष्ठता की साधना संकल्प से ही संभव होती है। संकल्प को ही व्रत कहते हैं। व्रतधारी ही तपस्वी और मनस्वी कहलाते हैं। लक्ष्य की ओर शब्दवेधी बाण की तरह सनसनाते हुए चल पड़ने की क्षमता उन्हीं में होती है। संकल्प का कार्य है- अमुक कार्य करने का, अमुक लक्ष्य तक पहुंचने का दृढ़ निश्चय। दृढ़ निश्चय का अर्थ है- काम करने की सुव्यवस्थित योजना बनाना, उसके लिए समुचित श्रम, साधना और मनोयोग लगाने की प्रतिज्ञा। प्रतिज्ञा का अर्थ है- आत्म गौरव को दांव पर लगा देना, प्रयास को चरम पुरुषार्थ के साथ पूरा करना। मनःसंस्थान की संरचना कर सकना संकल्प का ही काम है। इसी से कहा जाता है कि संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

संकल्प को जड़ और सफलता को तना कहा जा सकता है। इसीलिए तत्ववेत्ताओं ने व्रतशील संकल्प के निर्धारण के कार्य को आधी सफलता माना है। यह मान्यता अक्षरशः सत्य है, जिसे संदेह हो वह इस सच्चाई की परीक्षा स्वयं करके देख सकता है। जागरुकता पुरुषार्थ का प्रथम संकल्प है। हममें से प्रत्येक को कुछ सृजनात्मक संकल्प करना चाहिए। अब हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। मनगढ़ंत हवाई उड़ानें भरते रहने से हम कहीं के न रहेंगे। कहा भी गया है- ख्वाब कभी पूरे नहीं होते, संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

सफलता का नशा

किसी आश्रम में अनेक छात्र रहते थे। उनमें से एक छात्र को अपनी बुद्धि पर काफी अभिमान हो गया था। एक दिन गुरु ने उसे एक कथा सुनाई- घने जंगल में एक बकरी रहती थी। वह अपने को काफी चतुर मानती थी। उसके शरीर पर घने नर्म लंबे बाल थे, जिस कारण वह बहुत सुंदर दिखती थी। एक दिन वह घास चर रही थी, तभी कुछ शिकारियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने उसका पीछा करना शुरू किया। बकरी भागती हुई जंगल में एक ऐसी जगह पहुंची, जहां अंगूर की घनी बेलें थीं। बकरी बेलों के पीछे जाकर छिप गई। जब पीछा करते शिकारी पहुंचे, तो वे बकरी को देख न सके। बड़ी देर तक वहां ढूंढ़ने के बाद वे आगे बढ़ गए। बकरी अपनी चतुराई पर बहुत प्रसन्न हुई। तभी उसका ध्यान अंगूर के कोमल पत्तों पर गया तो उसने अंगूर की बेल को ही चरना आरंभ कर दिया। थोड़ी देर में ही उसने सारी झाड़ी चट कर डाली। तभी शिकारी उसे ढूंढ़ते वापस वहां आ पहुंचे और उन्होंने बकरी को देख लिया और थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्होंने उसका शिकार कर लिया। शिकारी आपस में कह रहे थे कि यदि बकरी ने वह झाड़ी साफ न की होती तो उसे पकड़ना नामुमकिन था। बकरी ने अपना आश्रय स्वयं नष्ट किया और वह शिकार हो गई। गुरु ने कथा यहीं समाप्त कर कहा, सफलता के नशे में मनुष्य अपना विवेक खो देता है और स्वयं को संकट में डाल लेता है। इसलिए अहंकार से बचना चाहिए। शिष्य गुरु का आशय समझ गया।

जीवन का आधार है आध्यात्म

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है। हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है। जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

सशक्त व उत्तम शक्ति संगीत

संगीत का उद्देश्य आपके भीतर गहन मौन का सृजन करना होता है और मौन का उद्देश्य जीवन में सक्रियता का सृजन करना होता है, इसलिए वह मौन जो जीवन में सक्रियता का सृजन न कर सके, वह ठीक नहीं है और वह संगीत जिससे आपके भीतर मौन, शान्ति और सामंजस्य सृजन हो सके, वह भी ठीक नहीं है।

संगीत सबको एक साथ जोड़ता है। सारी जातियों, धर्मों और महाद्वीपों में प्रेम के अलावा संगीत ही वह एक शक्ति है, जो सभी को आपस में जोड़ती है। भारतीय समाज की सबसे सशक्त व उत्तम शक्ति अध्यात्म है। संगीत की तरह ही अध्यात्म भी बहुत ही सूक्ष्म है। भक्ति अध्यात्म के आचरण का एक माध्यम है। अध्यात्म धर्म और भक्ति का सम्बन्ध मन के सात्विक भावों से होता है। यही भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति श्रद्धा से भरकर उसकी अर्चना की प्रेरणा देते हैं।

ऋग्वेद काल में गीत के लिए गीर, गातु, गाथा, गायत्र, गीति तथा साम शब्दों स्वरों में निबद्ध होने पर ऋग्वेद की ऋचायें संतोत्र कहलाती थी। इन स्तोत्रों का गायन जब प्रकारान्तर व विविध स्वरों के साथ किया जाता था, तब इसे स्तोम नाम से पुकारा जाता था। स्तोम वैदिक संगीत का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यह एक विशिष्ट प्रणाली है, जिसमें आधुनिक संगीत की गान-शैली की झलक मिलती है। साम के गायन का उल्लेख ऋग्वेद में बार-बार आता है। इससे यह सिद्ध होता है कि ऋग्वेद काल में साम गान बहुत प्रचार में था और इन्हीं सामों पर आधारित ऋचाओं का गान किया जाता था। इन सामों का गायन धार्मिक और लौकिक दोनों प्रसंगों पर किया जाता था। उस समय प्रातःकाल में मंगल वाद्य के रूप में वीणा आदि जिसे वाण कहते थे का प्रयोग होता था। दुंदुभि वैदिक युग का महत्वपूर्ण वाद्य माना जाता था। विभिन्न अनुष्ठानों और मंगल कार्यों में गायन वादन और नृत्य प्रचार में था।

भारतीय संस्कृति में प्राण-प्रतिष्ठा करने वाला सबसे मुख्य तत्व आध्यात्मिक है। परम्परावादी भारतीय जीवन में प्रत्येक व्यापार तथा सफलताओं में यही भावना मिलेगी। यहां के लोगों का पारस्परिक प्रण्य-बन्धन युद्ध-शान्ति, श्रृंगार तथा सभी उच्चकोटि की ललित कलाओं में मुख्य आधार अध्यात्म तथा आत्मा व परमात्मा में अथाह आस्था है। प्रत्येक भारतीय व्यक्ति का व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक संगठन यहां तक कि राजनीतिक योजनाएं भी आध्यात्मिक भावना से सर्वदा अनुप्रेरित रहती है। भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों में जीवन-मरण बोध, पाप-पुण्य, जन्म-पुनर्जन्म, कर्म-विचार, मुक्ति का मार्ग, दार्शनिकता, आध्यात्मिकता, सौन्दर्योपासना कलात्मक-लालित्य, संगीत स्थापत्य, चित्र-कला नृत्य तथा काव्य कला आदि को रखा जा सकता है। ये तत्व हमारी संस्कृति के अन्तर्गत आते हैं। यह परम्पराएं प्रथाएं संस्कृति के अन्तर्गत आती हैं। कलाएं सभ्यता के साथ विकसित होती हैं तथा अध्यात्म के धरातल पर एक हो जाती हैं। भारतीय धारणा के अनुसार उत्कर्ष की अन्तिम स्थिति में पहुंच कर कलाएं भी भक्ति भाव द्वारा मोक्ष में सम्माहित हो जाती हैं। विद्वानों के अनुसार वेद ग्रन्थ प्राचीनता व आध्यात्मिकता के प्रतीक है। रामायण, महाभारत, गुरु ग्रन्थ साहिब जो अध्यात्म की अनमोल निधि है। इसमें अध्यात्म कभी मन्त्रोच्चारण में, कभी यज्ञों में, कभी कर्मकाण्डों में तथा कभी संगीत रूप में उजागर होता है। समय के साथ अध्यात्म और भक्ति के साधन भले ही बदल रहे हों, परन्तु अध्यात्म आज भी उसी शाश्वत रूप में है जैसे वैदिक-काल में था। परम्परा में अध्यात्म आज भी शीर्ष पर ही है। अध्यात्म की महिमा का ही परिणाम है कि हमारे साहित्य के चार कालों (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल), में भक्ति काल को स्वर्ण युग की संज्ञा प्राप्त है।

अक्सर लोग यह कहते हैं कि हमें धर्म की जरूरत क्यों है? हम अपना काम अच्छी तरह करें तो क्या जरूरत है कि भगवान के किसी स्वरूप की आराधना करें -हम किसी को दुःख न दें, अवसर पड़े तो किसी की मदद करें, और न कर सकें तो किसी की हानि न करें और कुछ न करें तो केवल अपना कर्म मेहनत, लगन तथा निष्ठा से करते रहें। अपने आप में यह विचार बहुत अच्छा है ,पर ऐसा कहने वाले यह भूल जाते हैं कि हमारे इस देह में एक मन है जो बहुत चंचल है और वह हमारे विचारों के साथ देह को भी घुमाने की भी क्षमता रखता है और उस पर बिना आध्यात्मिक शक्ति के नियंत्रण नहीं किया जा सकता है-जिसका केंद्र हमारे अन्दर ही स्थित है। मन से ज्यादा शक्तिशाली है हमारी आत्मा, जिसे जानना जरूरी है। हम उस जानने की विधा को आध्यात्मिकता कहते हैं। हम अपने मन और देह को सदैव सांसारिक कार्यों में लगाए रहते हैं, इसमें कोई दोष नहीं है, पर जो एकरसता की वजह से उब होती है, उसे हम समझ नहीं पाते। यह आत्मा इस देह और मन में अपने अस्तित्व के अहसास के लिए तरसती है। वह चाहता है कि कुछ देर वह उस निरंकार, निर्गुण और शाश्वत सत्य स्वरूप परमपिता परमात्मा का स्मरण इस देह और मन से करे, जो उसने धारण कर रखी है। इसीलिए सांसारिक कार्य लगन, मेहनत, और निष्ठा से करते हुए भी अपने अध्यात्म से जुड़ना चाहिए।

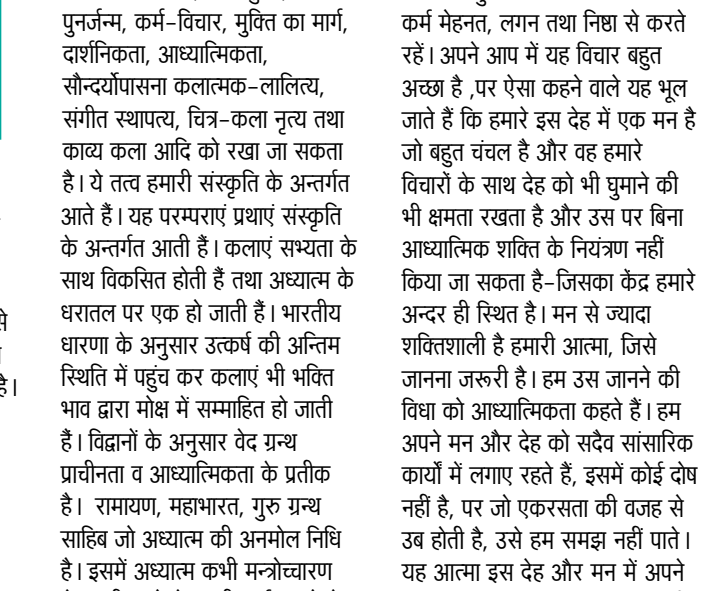

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योग दिवस पर शाह, राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति की शुभकामनाएं, बोले- दुनिया को आपस में जोड़ता है योग

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम जहां संदेश दिया वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह,राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भी देशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। शाह ने ट्वीट किया कि योग तन , मन, कार्य , विचार तथा मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने का एक माध्यम है। सम्पूर्ण मानवता को भारतीय संस्कृति के इस अनमोल उपहार को मोदी जी ने अपने प्रयासों से वैश्विक स्वीकृति प्रदान करवाई जिससे आज पूरे विश्व ने योग को अपनाया है। योग दिवस की शुभकामनाएं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देशवासियों को योग दिवस की बधाई देते माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर योग करते अपनी तस्वीर शेयर की और लिखा, सब को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई! प्राचीन योग विज्ञान मानवता को भारत का अमूल्य उपहार है। उन्होंने लिखा, मुझे प्रसन्नता है कि अधिकाधिक लोग योग को जीवन में अपना रहे हैं। संघर्ष व तनाव के बीच, विशेष रूप से कोरोना के इस दौर में, शरीर को स्वस्थ एवम् मन को शांत रखने में योगाभ्यास सहायक सिद्ध होगा। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू कहा कि मन और मस्तिष्क की मजबूती के साथ योग पूरे विश्व समुदाय को एक साथ जोड़ रहा है। नायडू ने विश्व योग दिवस के अवसर पर जारी एक संदेश में कहा कि 5000 साल पुरानी भारतीय परंपरा योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है बल्कि यह इससे कहीं अधिक एक दर्शन और जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग से तात्पर्य जोड़ने से या एकजुट होने से है। इसका उद्देश्य मन- मस्तिक के बीच तालमेल बैठाना है। यह एक विज्ञान है जो संतुलन, गरिमा , शांति और सद्भाव पर बल देता है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया की प्रतिक्रिया प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि हमें प्रसन्नता है कि हम दुनिया को एक सकारात्मक कार्य के लिये एक साथ जोड़ने में सक्षम है। बता दें कि हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

प्रज्ञा ठाकुर का छलका दर्द, कहा-कांग्रेस की प्रताड़नाओं के कारण मेरा सब कुछ हो गया बर्बाद

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भोपाल लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा नौ साल तक दी गई प्रताड़नाओं के कारण वह आज तक ष को झेल रही हैं। छठे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ योग करने के बाद प्रज्ञा ने वर्ष 2008 में हुए मालेगांव बम धमाकों के मामले में नौ साल तक जेल में बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि कांग्रेस ने जो प्रताड़नाएं मुझे नौ वर्षों में दी थी उनके कारण मेरी कई चोटें उभरती हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि उसी दौरान मेरे सिर में जो चोटें लगीं वे उभरी हैं। वह तकलीफ इतनी ज्यादा बढ़ गई कि मेरे आंख के रैटिना से लेकर दिमाग तक सूजन हो गई और मवाद भर गई। इसके कारण मेरी एक आंख से बिल्कुल दिखना बंद हो गया है। जबकि दूसरी आंख से थोड़ा-सा दिखता था। उन्होंने कहा कि अब भी मेरी दाई आंख से धुंधला दिखता है और बाई आंख से बिल्कुल नहीं दिखता। कांग्रेस विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री पी सी शर्मा ने बताया कि प्रज्ञा के इस दावे को खारिज किया कि कांग्रेस सरकार में उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं का सम्मान करते हैं। कांग्रेस उन्हें कैसे प्रताड़ित कर सकती है जब मध्य प्रदेश में 15 वर्षों और केंद्र में छह वर्षों से भाजपा सरकार है? इन आरोपों का मकसद भ्रम पैदा करना है।

मैंगो बाबा मोबाइल ऐप लॉन्च, अब आपको घर बैठे मिलेंगे आम और आइसक्रीम

नेशनल डेस्क। मैंगो बाबा मोबाइल ऐप अब न सिर्फ लोगों को फलों का राजा आम के कार्बाइड मुक्त असली स्वाद चखाएगा बल्कि इससे बने आइसक्रीम और अन्य उत्पाद भी विश्वसनीय ढंग से उपलब्ध कराएगा। मैंगो बाबा मोबाइल ऐप को केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के निदेशक शैलेन्द्र राजन ने कार्बाइड मुक्त आमों को किसानों से सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के उद्देश्य लांच किया है। आम के विभिन्न किस्मों की आइसक्रीम सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए भी इसका उपयोग हो सकेगा। युवा उद्यमियों द्वारा इस ऐप का प्रयोग किसानों के आम बाग से लेकर संस्थान की स्वचालित पैकेजिंग लाइन में परिष्कृत कर शहर के विभिन्न भागों में पहुंचा कर व्यावसायिक लाभ भी लिया जा सकेगा। आम की सप्लाई चैन से जुड़े लोग विभिन्न स्थानों पर ऑफलाइन बिक्री भी कर सकेंगे। बागों से आमो को तोड़ने के बाद उनकी भली-भांति सफाई एवं हॉट-वॉटर ट्रीटमेंट से उसे जीवाणु रहित करके पैक किया जाता है। इन आमों को कार्बाइड के बिना इथाईलीन गैस से पकाया जाता है। संस्थान की सलाह के अनुसार आमों की तुड़ाई से लेकर पैकेजिंग तक की जाती है । संस्थान कम से कम कीटनाशकों के प्रयोग के ऊपर विशेष जोर देता है और यह सब एक विशेष प्रकार के स्प्रे शेड्यूल द्वारा संभव हो पाता है। मैंगो बाबा ऐप किसानों को मंडी तक जाने की जहमत से बचा सकता है ।

पाकिस्तान ने बालाकोट सेक्टर में दागे मोर्टार, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नेशनल डेस्क। पाकिस्तानी बलों ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए पुंछ और कठुआ जिलों में नियंत्रण रेखा एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास चौकियों एवं गांवों पर गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान भारत की सीमा में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने सुबह करीब सवा छह बजे पुंछ जिले के बालाकोट में नियंत्रण रेखा के पास बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागकर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। भारतीय सेना इसका मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी से सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर्स ने कठुआ जिले में हीरानगर सेक्टर पर अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास करोल मतराई इलाके में अग्रिम चौकियों और गांवों पर गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने शनिवार देर रात करीब एक बजे गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। यह गोलीबारी एवं गोलाबारी साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक जारी रही। पाकिस्तान की ओर से इस साल जम्मू-कश्मीर में सीमाओं के पास गोलाबारी की घटनाओं में वृद्धि हुई है ।

गलवान घाटी विवाद: राहुल गांधी ने पीएम को कहा सरेंडर मोदी, भाजपा बोली- लोग सब देख रहे हैं

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

लद्दाख सीमा पर भारत-चीन के बीच जब से विवाद शुरू हुआ है, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर हमलावर हैं। राहुल आए दिन ट्विटर पर केंद्र पर कोई न कोई सवाल दाग रहे हैं। वहीं रविवार को राहुल ने ट्वीट करते हुए पीएम मोदी को सरेंडर मोदी तक करार दे दिया है। राहुल ने जापान टाइस में छपे एक ओपिनियन पीस को शेयर करते हुए यह टिप्पणी की। राहुल की टिप्पणी पर भाजपा की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आई है। भाजपा ने कहा कि जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल राहुल कर रहे हैं, ऐसी तो दुश्मन देश भी नहीं करते। भाजपा ने मांग की कि राहुल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने एक वीडियो जारी कर कहा कि राहुल गांधी मर्यादा तोड़ रहे हैं। हुसैन ने अपने वीडियो में कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी मर्यादा तोड़ रहे हैं। देश का अपमान कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरेंडर मोदी कहना, ये देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं असम के सरकार में मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अपने ट्वीट में कहा, राहुल गांधी, आप इतने हताश हो गए हैं कि ठीक से लिख भी नहीं पा रहे। और आत्मसमर्पण करना गांधी-नेहरू परिवार का हॉलमार्क रहा है। 1962 में, पंडित नेहरू ने असम को लगभग दे ही दिया था। जब चीनी सेना ने बोमदिला पर कब्जा किया तो नेहरू ने कहा था, मेरा दिल असम के लिए

लोगों के लिए रोता है। अकाली दल के मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल को चाइनीज गांधी बता दिया। भाजपा सांसद राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि 50 साल की उम्र पूरी करने के बाद इन्होंने ऑनलाइन ट्रोल होने की उपलब्धि हासिल कर ली है।

कोरोना पॉजिटिव सत्येंद्र जैन की हालत स्थिर, निगरानी के लिए डॉक्टरों की टीम तैयार

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

प्राइवेट कोविड-19 अस्पताल के ढ्ढष्ट में भर्ती दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के लिए उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कुछ सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों के वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम को तैयार रखा गया है। अधिकारियों ने कहा कि 55 वर्षीय जैन की हालत में सुधार हो रहा है और डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि जैन को साकेत के मैक्स अस्पताल में शनिवार को प्लाज्मा थेरेपी दी गई थी और उनकी स्थिति अब स्थिर है। उन्होंन बताया कि कुछ सरकारी एवं निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की एक टीम को उनका ध्यान रख रहे डॉक्टरों की मदद के लिए तैयार रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त टीम में राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और अन्य प्रमुख निजी अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। जैन की स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें आरजीएसएसएच से मैक्स अस्पताल के ढ्ढष्ट में भर्ती कराया गया था। एक निर्दिष्ट कोविड-19 अस्पताल है लेकिन उसके पास प्लाज्मा थेरेपी करने की अनुमति नहीं है। शहर के सरकारी अस्पताल के एक सूत्र ने कहा कि उनकी स्थिति बिगड़ने के बाद हमने प्लाज्मा थेरेपी के लिए उन्हें मैक्स अस्पताल में भेजने से पहले सारी औपचारिकताएं पूरी कीं। ङ्कस्स्॥ के चिकित्सकों ने गुरुवार को कहा कि मंत्री को निमोनिया हुआ है और उनका ऑक्सीजन जिसके बाद अस्साल के अधिकारियों को उन्हें आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा।

करो योग रहो निरोग: कोरोना काल में कुछ ऐसा रहा योग दिवस का नजारा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कोरोना संकट के बीच आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस बार लोगों ने घर में ही रहकर अपना योग का अभ्यास किया। इस मौके पर देश के विभिन्न राजनीतिज्ञ हस्तियों के योगाभ्यास और लोगों को तन-मन से स्वस्थ रहने के संदेश फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल साइट पर वायरल हो रहे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्द्धन, केंद्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने अपने-अपने आवास और पाक में योगाभ्यास किया और संदेश दिया। सोशल मीडिया पर इन राजनीतिज्ञ हस्तियों के योग करने वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह अपने परिजनों के साथ योगासन करते नजर रहे हैं। लोग इन वीडियो को देखकर अपने घरों में योगाभ्यास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग दिवस को एकजुटता और ये विश्व बंधुत्व के संदेश का दिन बताते हुए कहा कि जो हमें जोड़े, साथ लाये वही तो योग है। जो दूरियों को खत्म करे, वही तो योग है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय संचार मंत्री रविशंकर प्रसाद, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी योगासन के वीडियो ट्विटर पर साझा किये हैं।

गलवान घाटी:

राजनाथ सिंह बैठक में फैसला- चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की सुरक्षा बलों को छूट

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

चीन के साथ लगती 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सशस्त्र बलों को चीन के किसी भी आक्रमक बर्ताव का ''मुंह तोड़'' जवाब देने की ''पूरी आजादी'' दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ लद्दाख में हालात पर हाईलेवलबैठक के बाद सूत्रों ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री के साथ इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, सेना प्र मुख जनरल एम एम नरवणे, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने हिस्सा लिया। सूत्रों ने बताया कि सिंह ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों को जमीनी सीमा, हवाई क्षेत्र और रणनीतिक समुद्री मार्गों में चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए और चीनी सैनिकों के किसी भी दुस्साहस का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए ''सख्त'' रुख अपनाने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि सशस्त्र बलों को दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की सेना के किसी भी प्रकार के आक्रामक रवैए से निपटने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई है। और चीनी सैनिकों के किसी भी दुस्साहस का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए ''सख्त'' रुख अपनाने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि सशस्त्र बलों को दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की सेना के किसी भी प्रकार के आक्रामक रवैए से निपटने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई है।

उन्होंने कहा कि सेना और भारतीय वायु सेना ने चीन के किसी भी दुस्साहस से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए एलएसी पर अपनी अभियानगत तैयारियों को पहले ही तेज कर दिया है। गौरतलब है कि 15जून को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीन के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे और कम से कम 76 सैनिक घायल हो गए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है।

आतंकियों ने नहीं मानी मां-बाप की अपील, सरेंडर न करने पर सुरक्षाबलों ने कर दिया ढेर

नेशनल डेस्क। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में रविवार को घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 3 आतंकी मारे ग। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने श्रीनगर के निचले इलाके जूनिमार और जदिबल समेत कई जगहों पर घेराबंदी की तथा वहां से बाहर निकलने के सभी रास्ते बंद कर दिये। पुलिस ने आतंकवादियों को समर्पण के लिए कहा। अधिकारियों ने आतंकवादियों के मां बाप को बुलाकर सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन कोई प्रतिक्रिया ना मिलने पर सुरक्षा बलों ने इलाके में लक्षित मकानों की घेराबंदी कड़ी कर दी और आसपास के मकानों में रह रहे लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने के लिए कहा। सुरक्षा बल के जवान उन मकानों की ओर बढ़े, तभी वहां छुपे आतंकवादियों ने स्वाचालिक हथियारों से गोलीबारी की। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाई। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी में 3 आतंकवादी ढेर हो गए। श्रीनगर के इलाकों में कई सालों बाद यह पहला घेराबंदी और तलाश अभियान है। इस बीच कानून एवं व्यवस्था के मद्देनजर काफी संख्या में सुरक्षा बलों को श्रीनगर के सिविल लाइंस समेत निचले और ऊपरी इलाकों में तैनात किया गया है। लिए श्रीनगर और पुलवामा जिले के कुछ हिस्सों में भारत संचार निगम लिमिटेड समेत सभी सेल्यूलर कंपनियों की मोबाइल इंटरनेट सेवाएं आज सुबह से निलंबित कर दी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर ध्रुव की पूर्वी लद्दाख में इमरजेंसी लैंडिंग, सभी जवान सुरक्षित

नेशनल डेस्क। भारतीय सेना के एक आर्मी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव को रविवार को पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि सभी चालक दल और उसमें सवार जवान सुरक्षित हैं। सेना के सूत्रों के अनुसार पायलट को विमान में कुछ खराबी महसूस हुई, किसी अप्रिय घसना के बचने के लिए उन्होंने इमरजेंसी लैंडिंग करने का फैसला लिया गया। विमान में आई खराबी का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि लद्दाख के गलवान घाटी में चीन के साथ हिंसक झड़प के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव लगातार बना हुआ है। इस बीच भारत ने चीन की सीमा पर अपने दो आधुनिक हेलीकॉप्टर- चिनूक और अपाचे को तैनात किया है।

ब्रिटेन की बंदरगाह पर खड़े जहाजों में फंसे 1500 भारतीय, वापसी के लिए विदेश मंत्री को लिखा पत्र

लंदन। ब्रिटेन के बंदरगाह पर कोरोना वायरस संकट के कारण खड़े क्रूज जहाजों में फंसे भारतीय चालक दल के सैकड़ों सदस्यों ने स्वदेश लौटने की अपील की है। ऑल इंडिया सीफेरर और जनरल वर्कर्स यूनियन का दावा है कि ब्रिटेन के बंदरगाहों पर खड़े जहाजों में करीब 1500 भारतीय चालक दल के सदस्य फंसे हुए हैं। यूनियन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लिखे पत्र में बंदरगाह पर खड़े जहाजों में से एक का उदाहरण देते हुए कहा है, यह ब्रिटेन के टिलबरी बंदरगाह पर खड़े जहाज एमवी एस्टोरिया में फंसे चालक दल के 264 भारतीय सदस्यों के संदर्भ में है। 16 जून को लिखे इस पत्र में कहा गया है, इस कोरोना वायरस महामारी के दौरान हमारे भारतीय नागरिक पिछले 90 दिन से विदेशी जल सीमा में फंसे हुए हैं और उन्हें मदद की जरूरत है। तय उड़ान भी दस्तावेजों की कमी के कारण रद्द हो गई। कई लोगों ने जहाज पर ही भूख-हड़ताल शुरू कर दी है। ब्रिटिश समुद्री और तटरक्षक एजेंसी (एमसीए) ने उक्त जहाज को टिलबरी बंदरगाह पर रोक कर रखा है, जब तक जांच नहीं हो जाती। जहाज का निरीक्षण करने के बाद एमसीए ने एस्टोरिया और उस ऑपरेटर के चार अन्य जहाजों एस्टर, कोलंबस, वास्को डि गामा और मार्को पोलो को भी रोके रखने का आदेश जारी कर दिया। एमसीए ने एक बयान में कहा है कि जहाजों को बंदरगाह पर रोका जाना ब्रिटिश नियमों के तहत एहतियाती कदम है, ताकि उन्हें भेजने से पहले श्रम कानूनों के तहत उनकी पूरी जांच की जा सके। एमसीए का कहना है कि जांच पूरी होने तक जहाज बंदरगाह से नहीं जा सकते।

मध्यप्रदेश में अब तक कुल 11742 कोरोना संक्रमित, 8880 ने फाइटरों ने जीती जंग, 504 मरीजों की हो चुकी है मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। शनिवार रात प्रदेश में 142 नए मामलों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद प्रदेश में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या बढ़कर 11742 हो गई है। वहीं अब तक कुल 8880 मरीज कोरोना से जंग जीत चुके हैं। आपको बता दें कि पिछल 24 घंटे में कुल 6523 सैंपल की जांच में 142 कोरोना संक्रमितों की पुष्टि हुई है वहीं जबकि 6381 की रिपोर्ट निगेटिव आई। वहीं प्रदेश में बतक कुल 504 लोगों की कोरोना के चलते मौत हो चुकी है। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा मामले इंदौर से सामने आए हैं। शनिवार को जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक 42 नए मरीजों की पुष्टी हुई है जिसके चलते इंदौर में संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 4329 हो गया है। इंदौर में अब तक कुल 3185 कुल लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। वहीं 947 कोरोना पॉजिटव मरीजों का उपचार शहर के कोविड अस्पतालों में किया जा रहा है। इंदौर के बाद सबसे ज्यादा कोरोना के मामले राजधानी भोपाल से सामने आए हैं। इस लिस्ट में अब भाजपा विधायक का नाम शामिल हो गया है। बताया जा रहा है कि कोरोना संक्रमित भाजपा विधायक राज्यसभा चुनाव में मतदान करने पहुंचे थे, इससे पहले उन्होंने भाजपा की एक मीटिंग में भी शामिल हुए थे, जिसमें उन्होने मुख्यमंत्री सीएम शिवराज सिंह चौहान और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा समेत कई भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि भाजपा विधायक के अलावा उनकी पत्नी और भाई भी कोरोना संक्रमित हैं।

31 जुलाई से पहले नहीं खुलेगा प्रसिद्ध सालासर मंदिर, कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते लिया फैसला

नेशनल डेस्क। राजस्थान के चुरू जिले में स्थित प्रसिद्ध सालासर मंदिर दर्शनार्थियों के लिए 31 जुलाई से पहले नहीं खोला जाएगा। मंदिर के पुजारी मांगीलाल ने रविवार को बताया कि मंदिर 31 जुलाई के बाद ही खोला जाएगा। के कारण मौजूदा स्थिति को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। पुजारी मांगीलाल ने बताया कि चुरू जिलाधीश की अध्यक्षता में हुई बैठक में लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी नए दिशा निर्देशों के बाद दर्शनार्थियों को इस संबंध में सूचित कर दिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप ने मैनहट्टन के शीर्ष संघीय अभियोजक को पद से हटाया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के अटॉर्नी जनरल विलिमय बर ने शनिवार को मैनहट्टन के शीर्ष संघीय अभियोजक जॉफी एस. बरमन को बताया कि देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें संघीय अभियोजक पद से हटा दिया है। गौरतलब है कि ट्रंप के सहयोगियों से जुड़ी जांचें बरमन की निगरानी में ही चल रही थीं। अब इस कदम से देश के प्रमुख कानून प्रवर्तन अधिकारी तथा हाई प्रोफाइल अटॉर्नी के बीच तनाव और बढ़ गया है। बरमन ने पद से हटाए जाने पर लड़ाई लड़ने की तैयारी कर ली है। यह घटनाक्रम शुक्रवार रात से शुरू हुआ था, जब बर ने घोषणा की थी कि न्यूयॉर्क में सदर्न डिस्ट्रिक्ट के अटॉर्नी बरमन ने इस्तीफा दे दिया है। इसके कुछ घंटे बाद बरमन ने बयान जारी करके इस्तीफा देने की बात से इनकार किया और कहा कि उनके कार्यालय में ''बिना किसी बाधा या विलंब के जांचें जारी रहेंगी।'' शनिवार सुबह बरमन दफ्तर आए और उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं यहां अपना काम करने आया हूं।'' न्याय विभाग की ओर से शनिवार को सार्वजनिक किए गए एक पत्र में बर के हवाले से कहा गया कि वह बरमन से विभाग के भीतर अन्य संभावित पदस्थापना के बारे में बात करने वाले थे और जो बयान जारी किया गया है, उससे उन्हें हैरानी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह बात भी झूठी है कि जारी जांच की सुरक्षा के लिए बरमन को इस पद पर बने रहना होगा। बरमन को हटाने का फैसला राजनीतिक तथा संवैधानिक विवाद की एक मिसाल है।बरमन, ट्रंप के निजी वकील रूडी गियुलियानी के मामले की भी जांच कर रहे हैं।

बरमन ने शुक्रवार रात को कहा था कि वह तब तक पद पर बने रहेंगें, जब तक कि सीनेट किसी और के नाम की पुष्टि नहीं कर देता। उन्होंने पद से हटाने के बर के अधिकार भी सवाल उठाए और कहा कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति ने नहीं, बल्कि संघीय न्यायाधीशों ने की है।

जॉर्ज फ्लॉयड मौत: प्रदर्शनकारियों ने वॉशिंगटन में कंफेडरेट जनरल की प्रतिमा तोड़ लगा दी आग

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी वाशिंगटन डीसी में के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एक कंफेडरेट जनरल की प्रतिमा को तोड़कर उसे आग के हवाले कर दिया। घटना 19 जून को हुई, जिसे अमेरिका में दास प्रथा के अंत के तौर पर मनाया जाता है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेनाइट के बने मंच पर स्थापित 11 फुट की प्रतिमा को जंजीर से बांध कर गिराया गया और मूर्ति गिरने पर प्रदर्शनकारियों ने उस पर कूदकर अपनी खुशी का इजहार किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने खंडित मूर्ति के चारों ओर लकड़ी रखकर उसमें आग लगा दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नस्लवाद के खिलाफ नारे लगाए। इस बीच चश्मदीदों ने पूरी घटना का वीडियो बना सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद थी

लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घटना पर ट्वीट कर वाशिंगटन डीसी के गवर्नर को हटाने की मांग की। ट्रंप ने ट्वीट किया, वाशिंगटन की पुलिस अपना काम नहीं कर रही है वह मूर्ति को गिराते और जलाते हुए देख रही है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था 'आश्चर्यजनक' तरीके से अच्छा काम कर रही है : ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था 'आश्चर्यजनक' तरीके से अच्छा काम कर रही है और रोजगारों की संख्या के मामले में अमेरिका रिकॉर्ड बनते देख रहा है। ट्रंप ने शनिवार को कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पूछे गए सवालों के जवाब में यह बात कही। अमेरिका में अप्रैल में बेरोजगारी दर 14.7 प्रतिशत थी जो 1948 के बाद से सर्वाधिक थी। अब 25 लाख नए रोजगार बढ़ने के साथ मासिक दर मई में घटकर 13.3 प्रतिशत हो गई। अमेरिका में मार्च और अप्रैल में करीब 2.2 करोड़ लोगों की नौकरियां चली गईं जब देश के अधिकतर हिस्सों में कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन लगा था। मई में कुछ कारोबार फिर से खुले और उन्होंने कर्मचारियों की भर्ती पुनः शुरू की। ट्रंप ने रोजगार की संख्या को अपने प्रशासन के अच्छे कामकाज की पुष्टि करार दिया । उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''अमेरिकी अर्थव्यवस्था आश्चर्यजनक तरीके से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मैं कहूंगा कि जो संख्या सामने आ रही है वह रिकॉर्ड बनाने वाली है।'' राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार और व्हाइट हाउस में आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष केविन हासेट ने सीएनएन से कहा कि देश की अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से सामान्य होने की तरफ लौट रही है जितना किसी ने सोचा भी नहीं होगा।

उन्होंने कहा, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस समय अर्थशास्त्रियों को विनम्र होना पड़ेगा तथा मानना होगा कि जब 17 राज्यों में क्रे डिट कार्ड से खर्च पिछले साल से अधिक हुआ है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था वास्तव में बहुत तेजी से सामान्य हो रही है जितना मैंने सोचा भी नहीं था।''

ब्रिटेन: फॉरबरी गार्डन्स पार्क में चाकू हमले में 3 की मौत व कई घायल,1 गिरफ्तार

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में एक सनकी शख्स द्वारा किए गए चाकू हमले में 3 लोगों की मौत हो गई व कई घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना को अश्वेत आंदोलन से जोड़ कर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार घटना ईस्ट इंग्लैंड पार्क के दक्षिण में स्थित रीडिंग शहर के सेंट्रल पार्क में शनिवार शाम को हुई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आतंकवाद निरोध दस्ते के अधिकारी भी इस जांच में शामिल हो गए हैं। खबरें हैं कि हमलों में मारे गए तीन लोग लिबियाई मूल के माने जा रहे है। थेम्स वैली की पुलिस ने एक बयान में कहा, कई लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। बयान में कहा गया, रीडिंग के फोरबरी गार्डन्स में पुलिस ने घेराबंदी कर दी है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। हम लोगों से इस वक्त उस इलाके में जाने से बचने को कह रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि, रीडिंग की भयावह घटना से प्रभावित हुए सब लोगों के प्रति उनकी सहानुभूति है। उन्होंने कहा, वह मौके पर पहुंचे आपात सेवा कर्मियों के शुक्रगुजार हैं। ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने घटना के फौरन बाद गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, रीडिंग में हुई घटना की खबरें सुनकर बेहद चिंतित हूं। मौके पर पहुंचे पुलिस एवं आपात कर्मियों समेत घटना में शामिल हर किसी के प्रति उनकी सहानुभूति है। सोशल मीडिया पर प्रत्यक्षदर्शियों की तरफ से बताया जा रहा है कि पराचिकित्सक और पुलिसकर्मी पार्क में कई घायल लोगों की देखभाल कर रहे हैं जहां यह घटना हुई। इस खबर से कुछ देर पहले ही इलाके में नस्लवाद विरोधी 'ब्लैक लाइव्स मैटर÷ प्रदर्शन हुआ था। पुलिस का कहना है कि अब तक ऐसी कोई खबर नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

चीन जून के अंत तक लागू कर सकता है हांग कांग सुरक्षा कानून

बीजिंग। चीन में कानून बनाने वाले शीर्ष निकाय ने इस महीने के अंत में तीन दिन के सत्र के आयोजन की घोषणा की है। इस घोषणा से हांग कांग के लिए बनाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लागू करने की संभावना बढ़ गई है।चीन के इस प्रस्तावित कानून से अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र में बहस छिड़ने के साथ ही भय का माहौल भी उत्पन्न हो गया है।आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रविवार को कहा कि नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति की 28 से 30 जून के बीच बीजिंग में बैठक होगी। बैठक शनिवार को समाप्त हो रहे तीन दिवसीय सत्र के महज एक हफ्ते बाद हो रही है, जो एक असामान्य बात है क्योंकि एनपीसी की स्थायी समिति आम तौर पर प्रत्येक दो महीने में बैठक करती है। शिन्हुआ की खबर में चर्चा के विभिन्न विषयों में हांग कांग सुरक्षा कानून का जिक्र नहीं किया गया लेकिन यह बैठक के एजेंडा में शामिल हो सकता है।

न्यूयॉर्क में जश्न के दौरान गोलीबारी में 9 लोग घायल

न्यूयॉर्क। मध्य न्यूयॉर्क में ''जश्न'' के दौरान गोलीबारी में 9 लोग घायल हो गए। सायराक्यूज पुलिस प्रमुख केंटन बकनर ने बताया कि शनिवार रात हुई गोलीबारी में घायल हुए 9 लोगों में से एक की हालत गंभीर है। बकनर ने सायराक्यूज के मेयर बेन वाल्श के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तत्काल किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है और जांच अभी शुरुआती चरण में है। बकनर ने बताया कि सायराक्यूज के अधिकारी एक कार चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद रात नौ बजे से ठीक पहले घटनास्थल पर पहुंचे थे, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने अधिकारियों को बताया कि ''सैकड़ों'' लोगों की भीड़ पर गोलियां चलाई गईं। पुलिस प्रमुख ने बताया कि उनके अधिकारियों ने गोलियां चलने की आवाजें नहीं सुनीं। वाल्श ने बताया कि सायराक्यूज के व्यावसायिक इलाके के निकट जश्न मनाया जा रहा था, तभी गोलियां चलीं। इस समारोह के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। मेयर ने कहा, ''हम इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एकत्र होने की अनुमति नहीं देते।'' अभी यह पता नहीं चल पाया है कि जश्न क्यों मनाया जा रहा था।

युवा कपल ने नशे की लत पूरी करने के लिए ऑनलाइन बेचा अपना नवजात बेटा

बीजिंग। चीन में एक युवा कपल ने अपनी नशे की लत पूरी करने लिए अपने नवजात बच्चे को जन्म के कुछ ही घंटों बाद ऑनलाइन सेल कर दिया। इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक अन्य जोड़े से संपर्क किया और बच्चा 6 लाख 60 हजार रुपए (7,000 पाउंड) में बेच डाला। आरोपी युवा कपल ने अपने बच्चे को बेचकर जो रकम हासिल की, उससे खूब सारे ड्रग्स और नए फोन खरीदे। इस दंपति पर नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के चलते कई केस दर्ज हैं, जिसकी वजह से वे पुलिस के निशाने पर थे। पुलिस को एक होटल में इनके ठिकाने के बारे में पता चला। यहां से उनके पास से ड्रग्स की कई बोतलें और नकदी के ढेर बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिमी चीनी शहर नेइजियांग के रहने वाले वांग और झोंग लंबे समय से ड्रग के आदी थे और कर्ज में दबे थे। इस दंपति को बाल तस्करी के आरोप में सजा सुनाई गई है। पुलिस ने बताया कपल के बच्चे को बचा लिया गया है और अब उसकी देखभाल दादा-दादी करते हैं।

योग लोगों को आपस में जोड़ने वाली ताकत है : भारतीय राजदूत

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के शीर्ष राजनयिक ने यहां छठे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समारोहों का शुभारंभ करते हुए शनिवार को कहा कि योग लोगों को जोड़ने वाली ताकत है और अपने शाब्दिक अर्थ को पूरा करता है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा, ''योग लोगों को जोड़ने वाली ताकत है और अपने शाब्दिक अर्थ को पूरा करता है। दुनियाभर के लोगों ने राष्ट्रीयता और संस्कृतियों को पार करते हुए योग के अत्यधिक फायदों को पहचाना है। उन्होंने इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है।'' छठे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के डिजिटल समारोह के दौरान इंडिया हाउस में संधू ने कहा कि दुनिया आधुनिक दौर के सबसे बड़े स्वास्थ्य एवं आर्थिक संकट से गुजर रही है। उन्होंने कहा, ''इसने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डाला है। दुनिया को योग और ध्यान की पहले से कहीं अधिक जरूरत है। योग ने भौगोलिक रूप से अलग लोगों को एक साथ लाने का हमें एक अवसर मुहैया कराया है।'' इस साल की थीम 'घर पर योग और परिवार के साथ योग' है। संधू ने कहा, ''हम मौजूदा हालात के कारण बड़ी संख्या में योग प्रेमियों के साथ इसे नहीं मना पाए। तकनीक का शुक्रिया कि हम अमेरिका में हजारों लोगों से ऑनलाइन रूप से जुड़े हुए हैं।''

मिनियापोलिस में फायरिंग, 1 की मौत व 11 घायल

लॉस एंजलिस। अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में हुई फायरिंग में कम से कम 11 लोग घायल हो गए व एक की मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि देर रात तीन बजे के करीब ट्वीट किया कि जिन 12 लोगों को गोली मारी गई है उन्हें ''अलग-अलग गंभीर चोटें'' आई हैं। मिनियापोलिस पुलिस ने शुरुआत में एक ट्वीट करते हुए लोगों को अपटाउन मिनियापोलिस इलाके में न जाने की सलाह दी थी। सोशल मीडिया पर आई तस्वीरों में एक थिएटर और एक अन्य दुकान की खिड़कियों को गोली लगते हुए दिखाया गया है। फेसबुक पर पोस्ट की गई लाइव वीडियो में लोगों की चीखने की आवाजें आवाजें सुनी जा सकती हैं। फुटपाथ पर पड़े पीड़ितों के आसपास कुछ लोग एकत्रित दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पुलिस अधिकारी साइकिलों पर आते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पुलिस अधिकारी साइकिलों पर आते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ितों को स्थानीय अस्पताल ले जाए जाने के बाद फुटपाथ पर खून के छीटें देखे जा सकते हैं। यह इलाका मिनियापोलिस वाणिज्यिक क्षेत्र से करीब पांच किलोमीटर दूर पश्चिम में स्थित है जहां मिनियापोलिस पुलिस की हिरासत में 25 मई को जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद दंगे भड़क उठे थे।

ट्रंप ने कोरोना के लिए चीन पर फिर साधा निशाना, बीमारी को कहा 'कुंग फ्लू'

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घातक कोरोना वायरस के दुनियाभर में फैलने के लिए एक बार फिर चीन को जिम्मेदार ठहराया और इस बीमारी को 'कुंग फ्लू' कहा। यह महामारी दुनियाभर में 4,50,000 से अधिक लोगों की जान ले चुकी है और 85 लाख से ज्यादा लोग इसकी चपेट में है। ट्रंप पिछले साल दिसंबर में चीन के वुहान शहर से शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी के लिए बार-बार चीन को जिम्मेदार ठहराते आ रहे हैं। उन्होंने बीजिंग पर वायरस के बारे में जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने इसकी उत्पत्ति के कारण इसे वुहान वायरस कहा है। अमेरिका में इस साल की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद शनिवार को ओकलाहोमा के टुलसा में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि कोविड-19 बीमारी के इतने नाम हैं जितने इतिहास में किसी रोग के नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''मैं इसे कुंग फ्लू कह सकता हूं। मैं इसके 19 अलग-अलग नाम ले सकता हूं। कई लोग इसे वायरस कहते हैं, जो यह है भी। कई इसे फ्लू कहते हैं। अंतर क्या है। मुझे लगता है कि हमारे पास इसके 19 या 20 नाम हैं।'' 'कुंग फ्लू' शब्द चीन की परंपरागत मार्शल आर्ट 'कुंग फू' से मिलता जुलता है। जॉन्स हॉपकिन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के अनुसार कोरोना वायरस से दुनियाभर में 85 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं और 4.5 लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। दुनियाभर में इस बीमारी से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका हुआ है जहां संक्रमण के 22 लाख से अधिक मामले हैं और 1,19,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। ट्रंप (74) नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व उप राष्ट्रपति 77 वर्षीय जो बाइडेन को पराजित कर पुनः राष्ट्रपति बनने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं।

मुंबई हमले के आरोपी राणा की रिहाई के खिलाफ अमेरिका, कहा-भारत से बिगड़ेंगे संबंध

लॉस एंजलिस (एजेंसी)।

अमेरिका ने मुंबई आंतकी हमले के आरोपी पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को जमानत पर रिहा किए जाने का विरोध किया है। अमेरिका ने कहा है कि इससे भारत के साथ देश के संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। अमेरिका ने यह भी कहा कि राणा भारत में उसे सुनाई जा सकने वाली मौत की सजा से बचने के लिए कनाडा समेत किसी अन्य देश भाग सकता है। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी जॉन जे लुलेजियान ने लॉस एंजिलिस में एक संघीय अदालत से कहा, जमानत पर रिहा किए जाने पर इस बात की गारंटी नहीं होगी कि वह अदालत में पेश होगा। जमानत मंजूर किए जाने से विदेश मामलों के संबंध में अमेरिका को शर्मसार होना पड़ सकता है और इससे भारत के साथ उसके संबंधों में भी तनाव पैदा हो सकता है। लुलेजियान ने अमेरिका सरकार की ओर से अपील की कि भारत में राणा को प्रत्यर्पित किए जाने की कार्रवाई संबंधी प्रस्ताव जब तक लंबित है, तब तक उसे रिहा नहीं किया जाए। उन्होंने अनुरोध किया कि यदि उसे रिहा करने के आदेश पर विचार किया जाता है, तो संबंधित पक्षों को उचित समय में इसके बारे में अधिसूचित किया जाए, ताकि अमेरिका भारत के साथ हुई संधि के तहत अपने दायित्वों को पूरा कर पाए। लुलेजियान ने राणा को रिहा किए जाने पर उसके देश छोड़कर जाने की आशंका जताते हुए कहा कि उसके कनाडा में जाने से भारत में उसका प्रत्यर्पण खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि यदि राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाता है और भारतीय अदालतें यदि उसे हत्या की साजिश रचने और/या हत्या के मामले में दोषी ठहराते है, जो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। लुलेजियान ने दलील दी कि राणा ऐसे किसी देश में भाग सकता है, जिसकी भारत के साथ प्रत्यर्पण संधि नहीं हो या कनाडा समेत किसी ऐसे देश में जा सकता है जो भारत से यह आश्वासन मिलने तक राणा को प्रत्यर्पित नहीं करे कि उसे मौत की सजा नहीं दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के मामले में राणा को प्रत्यर्पित किए जाने के भारत के अनुरोध पर उसे अमेरिका में पुनः गिरफ्तार किया गया है। राणा (59) को अनुकंपा के आधार पर हाल में जेल से रिहा किया गया था। उसने अदालत को बताया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। इसके बाद उसे रिहा कर दिया गया था। अभियोजकों ने बताया कि भारत ने उसे प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया था। इसके बाद उसे 10 जून को फिर से गिरफ्तार किया गया। भारत में राणा को भगोड़ा घोषित किया गया है। गोरतलब है कि मुंबई में हुए आतंकी हमलों में 166 लोग मारे गए थे। कैलिफोर्निया सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के अमेरिका डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में न्यायाधीश जैक्लीन चूलजियान ने राणा के उसे जमानत पर रिहा करने या नहीं करने के मामले पर सुनवाई के लिए।

भारतीय महिलाओं के लिए सख्त नागरिकता नियम बनाने की तैयारी में नेपाल

इंटरनेशनल डेस्क। शादी के बाद पति का घर ही दुल्हन का घर हो जाता है। और दुनियाभर में यह नियम लागू है कि शादी के बाद जिस देश में लड़की शादी करके जाती है वहां की नागरिकता उसे मिल जाती है। लेकिन नेपाल मे अब भारतीय से ब्याह कर आने वाली लड़कियों को नागरिकता के लिए 7 साल इंतजार करना होगा। भारत से चल रहे सीमा विवाद के बीच शनिवार को नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में नागरिकता नियमों में बदलाव का निर्णय लिया गया है। नेपाली गृहमंत्री राम बहादुर थापा ने बताया, नियम में बदलाव का प्रस्ताव भारत को ध्यान में रखकर लिया गया है। बदलाव के तहत जब कोई भारतीय लड़की नेपाली युवक से शादी करेगी तो उसे उसके साथ सात वर्ष लगातार रहने के बाद ही नेपाल की नागरिकता मिलेगी। बीते हफ्ते नेपाल में बिहार की एक बेटी से मिलने जाते वक्त सीतामढ़ी सीमा पर नेपाली जवानों की भारतीयों से झड़प हो गई थी। इसमें दो भारतीयों की जान भी गई थी। जबकि लड़की के रिश्तेदार को नेपाल पुलिस ने 24 घंटे हिरासत में रखा था। . नेपाली गृहमंत्री ने यह दावा तो कर दिया कि भारत विदेश महिला को शादी के सात साल बाद नागरिकता देता है। हालांकि हकीकत यह है कि नेपाल से आने वाली बहू पर भारत में यह नियम लागू नहीं है। धार्मिक और सांस्कृतिक तौर पर एक-दूसरे से जुड़े भारत-नेपाल का द्विपक्षीय रिश्ता सदियों पुराना है। इस संबंध में नेपाल के गृहमंत्री राम बहादुर थापा का कहना है कि इस नियम में कुछ अलग नहीं किया है। भारत भी विदेशी लड़कियों को किसी भारतीय से शादी के सात साल बाद ही भारत भी विदेशी लड़कियों को किसी भारतीय से शादी के सात साल बाद ही नागरिकता देता है। हमारा प्रस्ताव भी इसी आधार पर है।

जॉर्ज फ्लॉयड मौत: नस्लवाद के खिलाफ चौथे सप्ताह भी ब्रिटेन में प्रदर्शन

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी के बावजूद चौथे सप्ताह भी शनिवार को लोगों ने नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन किए। 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान से प्रेरित ये प्रदर्शन लंदन, मैनचेस्टर, एडिनबर्ग और ग्लास्गो समेत अन्य शहरों में हो रहे हैं। हजारों लोग लंदन के हायडे पार्क में एकत्रित हुए और उन्होंने ट्राफलगर स्क्वेयर की ओर शांतिपूर्ण मार्च निकाला। एक छोटे समूह ने अमेरिकी दूतावास के समीप दक्षिण लंदन से मार्च निकाला। प्रदर्शन के एक आयोजक इमार्न आयटन ने हायडे पार्क में एकत्रित भीड़ से कहा, ''हम सभी आज यहां एकत्रित हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि काले लोगों की जिंदगियां भी मायने रखती हैं। हम सभी आज यहां इसलिए हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि काले लोग सुंदर होते हैं और हम सब आज यहां इसलिए भी इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि यह संस्थागत नस्लवाद को खत्म करने का वक्त है।'' गौरतलब है कि अमेरिका में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को पुलिस हिरासत में मौत के बाद दुनियाभर में नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को पुलिस हिरासत में मौत के बाद दुनियाभर में नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ग्लास्गो के जॉर्ज स्क्वेयर में 'नस्लवाद को न कहो' रैली में सैकड़ों लोग शामिल हुए। जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद ब्रिटेन में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किए हैं, जिनमें से ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं।

देश के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने घोषणा की कि वह एक आयोग का गठन कर रहे हैं जो यह देखेगा कि नस्ली अन्याय को खत्म करने के लिए और क्या किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिता और बेटी के बीच पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाले सौतेले पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एक दिन, जब वह घर पर अकेली थी, उसके सौतेले पिता भरत मूलजी ने उसके साथ बलात्कार किया था

ओलपाड पुलिस थाने में रिपोर्ट की गई एक हवस के भूखे पिता की 17 वर्षीय सौतेली बेटी पर पिता और बेटी के साथ उसके पवित्र रिश्ते को कलंकित करने, बार–बार बलात्कार करने का आरोप लगाया गया है।

ओलपाड तालुका के एक गांव में रहने वाली महिला के पति की आठ साल पहले मौत हो गई थी। जिसके बाद उसने घर का काम और श्रम किया और तीन मासूम बेटे और बेटियों की परवरिश की। महिला की शादी पांच साल पहले कच्छ जिले के नागलपुर के निवासी भरत मूलजी से दूसरी बार हुई थी। आज से दो साल पहले, जक में पढ़ने वाली महिला की सबसे बड़ी बेटी निर्भय पात्रा का नाम था। था। भयभीत लड़की ने इस बारे में किसी को नहीं बताया। उसके बाद, अपनी सौतेली बेटी की अज्ञानता और भोलेपन का फायदा उठाकर, पिछले दो वर्षों से उसकी इच्छा के विरुद्ध बार–बार बलात्कार किया गया।

निर्भया का हाथ जबरन खलिहान में ले जाया गया। और डरा धमका मारकर बलात्कार किया

निर्भया और उसके भाई–बहन और माता जब 10 दिन पहले घर पर सो रहे थे लोकडाउन होने के कारणवश सभी स्कूलों में ऑनलाइन शिक्षा चल रही थी।

निर्भया स्कूल से मोबाइल एकाउटिंग के उदाहरण लिख रही थी। फिर सौतेले पिता भरत मूलजी ने निर्भया का हाथ पकड़ लिया और जबरन उसे खलिहान में ले गए। फिर डरा धमका कर मारकर फिर से बलात्कार किया।

इस प्रकार, पिछले दो वर्षों से सौतेली बेटी को उसकी अज्ञानता और भोलेपन का फायदा उठाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध बार–बार बलात्कार किया गया था। भविष्य में उसके पिता उसे परेशान करेंगे, इस डर से, निर्भया ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को घटना की सूचना दी।

पुलिस की मदद से ओलपाड पुलिस ने पीड़िता की मां की ओर से दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर, सौतेले पिता भरत मूलजी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विश्व योग दिवस

मुख्यमंत्री ने योग–प्राणायाम कर दिन की शुरुआत की

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने 21 जून, 2020 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह योग–प्राणायाम कर दिन की शुरुआत की। इस वर्ष कोरोना वायरस संक्रमण के कारण आयुष मंत्रालय ने 'घर पर योग, परिवार के साथ योग' थीम के साथ देशभर में योग दिवस मनाने का आयोजन किया है। तदनुसार मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री निवास स्थान के प्रांगण में अंजलीबेन रूपाणी और गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री शीषपाल जी के साथ यौगिक क्रियाएं और आसन किए।

'योग करेंगे, कोरोना को हराएंगे' मंत्र के साथ राज्य के सभी नागरिकों से कोरोना के विरुद्ध योगासन और व्यायाम के आयाम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के मुख्यमंत्री के आह्वान पर आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में 'घर पर योग, परिवार के साथ योग' थीम पर अनेक परिवारों ने अपने घर पर योग–प्राणायाम किया।

सुरत मनपा में सामेल हुए नई क्षेत्रों में चल रहे अवैध रूप से कामकाज और बदहालत

खुले नाले की बद हालत

अवैध रूप से चल रहे कामकाज

किसकी जिम्मेदारी,यह हालत में बारिश के मोसम में क्या होगे हालत

1.25 करोड़ की लागत से सिर्फ दो महीने में 3.5 किमी पक्की नहर के जरिए सात तालाबों को जोड़ा

अहमदाबाद,दुनिया जब कोरोना वायरस (कोविड–19) के संकट से जूझ रही थी, तभी कच्छ जिले की भुज तहसील के सामत्रा गांव में गांव के अग्रणी और दाता कानजीभाई कुंवरजीभाई पटेल (केके पटेल) ने गांव के युवाओं और मशीनी उपकरणों के जरिए 3.5 किलोमीटर लंबी पक्की नहर दो महीने में बनाकर गांव के कुल 7 तालाबों को लिंक कर भूगर्भ जल संग्रहण की अनोखी मिसाल पेश की है। 1.25 करोड़ रुपए की लागत से हुए इस कार्य के अंतर्गत 4 लाख घन मीटर

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने दाताओं की सेवा भावना को सराहा

मिट्टी की खुदाई कर स्थानीय युवाओं को रोजगार मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस सराहनीय योगदान के लिए दाता के.के. पटेल और ग्रामजनों के साथ गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कच्छी बंधुओं को आगामी आषाढ़ी दूज कच्छी नूतन वर्ष की शुभकामनाएं भी दी। रूपाणी ने कहा कि मातृभूमि के प्रति कर्तव्यनिष्ठा कच्छियों के स्वभाव में शुमार है और कानजीभाई पटेल के हृदय में वतन के प्रति यह भाव कूट–कूट कर भरा है। उन्होंने कहा कि पानी विकास की पहली शर्त है और कच्छी लोगों की ताकत और सामत्रा गांव में हुआ जल संचयन का यह कार्य बताता है कि कच्छ में पानी की कमी अब अतीत की बात बन जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कच्छ की धरा पर पैदा होने वाले ड्रैगन फ्रूट, अनार और सूखे खजूर की दुनिया भर में मांग के चलते कच्छ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव नजर आएगा।

गुजरात के विकास को नई ऊंचाई देने के लिए जन सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कच्छी लोगों की मेहनत और उद्यमशीलता की भी प्रशंसा की। 'कच्छियत' को लेकर कच्छी लोगों के गौरव भाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास कार्यों में योगदान देने वाले कानजीभाई जैसे लोग गुजरात का गौरव हैं। मुख्यमंत्री ने भूमिगत जल संग्रहण के साथ नर्मदा के जल को भी कच्छ तक पहुंचाकर कच्छ को जल संकट से मुक्त करने की मंशा व्यक्त की।

इस मौके पर राज्य मंत्री वासणभाई आहिर ने कहा कि सामत्रा गांव के अनिवासी भारतीय पटेलों ने स्वयं चलकर और सार्वजनिक योगदान के माध्यम से विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों को साकार कर दृष्टांत पेश किया है। 1.25 करोड़ रुपए की भारी धनराशि खर्च कर दाता के.के. पटेल ने सामत्रा गांव को हरियाला हिल स्टेशन बनाने का बीड़ा उठाया है। लगभग 5 करोड़ रुपए के खर्च से उन्होंने विभिन्न विकास कार्य शुरू किए हैं। जिनमें से एक अहम वृक्षारोपण का कार्य आज हुआ है और 10 हजार पौधों का इस क्षेत्र में लालन–पालन होगा। उल्लेखनीय है कि दाता के.के. पटेल उनकी मातुश्री स्व. प्रेमबाई की पुण्य तिथि में प्रेम सरोवर तथा श्री हरि तालाब, दो भांभराई तालाब, दो अन्य तालाबों का निर्माण कराया है जबकि अन्य एक तालाब का काम जारी है। इस तरह कुल सात तालाबों को लिंक करने यानी कि जोड़ने के लिए 3.5 किलोमीटर लंबी पक्की नहर बनाकर जल संचयन का उम्दा कार्य गांव के ही युवाओं की सहायता से इस कोरोना संकट काल में किया गया। विपदा को अवसर में बदलने के बाद अब आगामी समय में इस धरा को हरा–भरा रखने के लिए 10 हजार पौधों को यहां रोपा जाएगा। इसके तहत आज उपस्थित महानुभावों ने वृक्षारोपण किया।

भुज की विधायक डॉ. नीमाबेन आचार्य ने भी मुख्यमंत्री को क्षेत्र में हुए जल संचय, जल विकास के कार्यों की जानकारी से अवगत कराया। दाता के.के. पटेल ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त कर कहा कि उनका स्वप्न कच्छ को आदर्श बनाने का है। प्रवीण सिंह डोडिया ने लेउआ पटेल समाज द्वारा किए जाने वाले जल संचय तथा ग्राम विकास के विभिन्न कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। उन्होंने जिले के सुदूरवर्ती गांव सामत्रा के नमक उद्योग के व्यापारी की इस पहल को अनुकरणीय करार दिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)